हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 337, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 26 मई, 2022 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

साइकल पर सवार होकर राज्यसभा जाएंगे कपिल सिब्बल, अखिलेश की मौजूदगी में भरा पर्चा

बोले- मैं कांग्रेस का नेता था, लेकिन अब नहीं, अखिलेश यादव का जताया आभार

प्रखर लखनऊ। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के 11 सदस्यों का कार्यकाल चार जुलाई को समाप्त हो रहा है। इन 11 सीट के लिए दस जून को होने वाले चुनाव के लिए आज राज्यसभा के लिए सपा उम्मीदवार के तौर पर कांग्रेस नेता रहे कपिल सिब्बल ने नामांकन किया। इस दौरान उनके साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव और राम गोपाल यादव मौजूद रहे। कपिल सिब्बल के बाद जावेद अली भी सपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने के लिए विधानभवन के सेंट्रल हाल में पहुंचे। इस दौरान उनके साथ प्रो. रामगोपाल यादव और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल मौजूद रहे। विधानभवन के सेंट्रल हाल में कपिल सिब्बल ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए नामांकन किया। नामांकन के बाद उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस का नेता था, लेकिन अब नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मैंने सपा के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया है। मैं कांग्रेस की सदस्यता से 16 तारीख को इस्तीफा दे चुका हूं। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार भी

जताया। कपिल सिब्बल ने कहा 2024 को लेकर हम सब एक साथ आ रहे हैं। हम एक साथ केंद्र सरकार की कमियों को उजागर करेंगे। सब एक साथ मिलकर जनता के बीच बात रखेंगे। आजम खान के बारे में सवाल पूछने पर कपिल सिब्बल बोले कि ये आप आप उन्हीं से पूछ लीजिए। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव भी उपस्थित थे। अखिलेश ने सिर्फ इतना कहा कि हमारे तीनों प्रत्याशी बारी-बारी से आकर नामांकन करेंगे। नामांकन करने से पहले कपिल सिब्बल सपा मुखिया से मुलाकात करने के लिए समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंचे। इसके बाद कपिल सिब्बल ने नामांकन दाखिल किया। बता दें कि आज सपा के तीन उम्मीदवारों को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना था। जिसमें से एक नाम कांग्रेस नेता रहे कपिल सिब्बल का भी था। डिम्पल यादव और जावेद अली खान भी आज राज्यसभा के लिए नामांकन कर सकते हैं। बता दें कि समाजवादी पार्टी मे अब तक 5 नामों पर गंभीर चर्चा हो रही थी। जिसमें कपिल सिब्बल, जयंत चौधरी, डिंपल यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी व जावेद अली खान के नामों पर पार्टी विचार कर रही थी। इसके लिए मंगलवार को पांच नामांकन पत्र भी खरीदे गए थे। पार्टी डिंपल यादव को आजमगढ़ से उप चुनाव भी लड़ाने की तैयारी में थी। अब उनके स्थान पर किसी और मजबूत यादव नेता को उतार सकती है। हो सकता है, वो नेता यादव परिवार से भी हो। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी दस जून को होने वाले चुनाव के लिए 31 मई तक नामांकन होगा। इसके बाद एक जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसके बाद पात्र प्रत्याशियों को उच्च सदन में भेजने के लिए दस जून से सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। दस जून की शाम को ही पांच बजे तक परिणाम आ जाएगा। राज्यसभा की 11 में से सात पर तो भाजपा की जीत तय है। भाजपा आठवीं सीट के लिए भी प्रयास करेगा। इसके साथ ही संख्या बल के हिसाब से समाजवादी पार्टी को भी तीन सीट आराम से मिलेगी। सपा ने राज्यसभा के लिए जो पांच नाम सोचे हैं उनमें रालोद प्रमुख जयंत चौधरी का नाम भी शामिल है।

हिमाचल कांग्रेस कमेटी में तीन नए वरिष्ठ उपाध्यक्षों समेत 67 पदाधिकारियों की नियुक्ति

शिमला। पार्टी हाईकमान में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी में विस्तार किया है। 67 नए पदाधिकारियों को कमेटी में शामिल किया गया है। इसमें तीन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, छह उपाध्यक्ष, 13 महासचिव, 41 सचिव, एक कार्यकारिणी सदस्य, दो वरिष्ठ प्रवक्ता व एक प्रवक्ता शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अतिरिक्त पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों के साथ वरिष्ठ प्रवक्ताओं व प्रवक्ताओं की नियुक्ति के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से अनुमोदित किया है। पूर्व मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी, रंगीला राम राव के अलावा आदर्श सूद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, किशोरी लाल, जगजीवन पाल, सोहन लाल, करनेश जंग, चिरंजी लाल व मोहिंदर चौहान को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्तियों की सूची कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी की गई है। महासचिव पद पर बंबर ठाकुर, संजय रत्न, अतुल शर्मा, यशवंत छाजटा, बावा हरदीप सिंह, भवानी पठानिया, यशपाल तनाईक, अमित पाल सिंह, अमित नंदा, अनिता वर्मा, रमेश ठाकुर, सुरेंद्र सेठी व धर्मपाल सिंह पठानिया को नियुक्त किया गया है।

बारामुला मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर, एक जवान शहीद

श्रीनगर। जिला बारामुला के करेरी इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच जारी मुठभेड़ में तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया है। हालांकि, इस मुठभेड़ में जम्मू कश्मीर पुलिस का एक जवान भी बलिदानी हुआ है। सुरक्षाबलों ने तीनों आतंकवादियों के शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। यही नहीं, मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद भी बरामद हुआ है। आइजीपी विजय कुमार ने तीन पाकिस्तानी आर्तकियों के मारे जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि ये तीनों आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। यही नहीं, ये पिछले 3-4 महीनों से इस क्षेत्र में सक्रिय थे। पुलिस को इस बात का पता चल गया था और उसी दिन से हम इन्हें ट्रैक कर रहे थे। आइजीपी ने बताया कि इस साल अब तक हमने 22 पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया है। मारे गए आर्तकियों की पहचान पाकिस्तान के रहने वाले हनीफ, अली भाई और शाह वली के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बारामुला के करेरी इलाके में यह मुठभेड़ आज सुबह शुरू हुई। इलाके में आतंकवादियों के देखे जाने की सूचना के बाद एसओजी, सेना व सीआरपीएफ का संयुक्त दल इलाके में पहुंच गए। इलाके की घेराबंदी करते हुए सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश शुरू की। जैसे ही सुरक्षाकर्मी तलाशी लेते हुए नाजीभट चौराहे के नजदीक पहुंचे, वहां छिपे आतंकवादियों ने उन पर गोलियां बरसाना शुरू कर दी। अचानक से की गई इस गोलीबारी में जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। आतंकवादियों की गोलीबाी का जवाब देते हुए जवान को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया परंतु डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। गोलीबारी के तुरंत बाद ही सुरक्षाबलों ने अपनी पोजीशन ली और आतंकवादियों पर जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। इस बीच अन्य सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच सुरक्षाकर्मी उन्हें बार-बार आत्मसमर्पण करने के लिए भी कहा गया परंतु वे हथियार डालने के लिए नहीं माने।

इसी बीच सुरक्षाबलों ने जवाबी फायरिंग में एक के बाद एक तीनों आतंकवादियों को ढेर कर दिया। आर्तकियों के मारे जाने के बाद भी सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान चलाया और जब इस बात की पुष्टि हो गई कि इलाके में और आतंकी मौजूद नहीं है, तो अभियान को समाप्त करने की घोषणा की गई। सूत्रों ने बताया कि तीनों पाकिस्तानी आतंकियों को टारगेट किलिंग व अमरनाथ यात्रा पर हमले की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

यूपी विस में सपा सदस्यों के साथ नहीं बैठना चाहते शिवपाल सिंह यादव, सीट बदलने का किया अनुरोध

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा) के अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के टिकट पर जसवंतनगर सीट से विधायक निर्वाचित शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा में अपनी सीट

बदलने का अनुरोध किया है। उन्होंने प्रमुख सचिव विधानसभा को इस आशय का पत्र भेजा है। विधानसभा में ई-विधान लागू होने के कारण विधानसभा में प्रत्येक सदस्य को सीट आवंटित की गई है। समाजवादी पार्टी के भी कुछ सदस्यों ने अपनी सीटें बदलवाई हैं। बताया जा रहा है कि सपा के कुछ सदस्य अभी भी सीटिंग व्यवस्था से नाखुश हैं। वह बैठने के लिए आगे की सीट चाहते हैं। माना जा रहा है कि शिवपाल सदन में सपा सदस्यों के साथ नहीं बैठना चाहते हैं। वरिष्ठ विधायक शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष से सदन में उनके बैठने के लिए निर्धारित सीटको बदलने का आग्रह किया है। शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर सीट बदलने का अनुरोध किया है। शिवपाल यादव वर्तमान में इटावा जिले के जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। शिवपाल यादव ने अपने भतीजे व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से अनबन के बाद अपनी अलग पार्टी बना ली थी, लेकिन विधानसभा चुनाव 2022 से पहले दोनों नेताओं में समझौता हो गया था। शिवपाल ने सपा के चुनाव चिह्न पर ही विधानसभा चुनाव लड़ा था। शिवपाल यादव ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की उस टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'भाजपा से मिलने वाला सपा में नहीं रहेगा।' शिवपाल ने इस टिप्पणी को 'गैर-जिम्मेदाराना' करार देते हुए कहा था, 'यदि अखिलेश यादव ऐसा सोचते हैं तो उन्हें मुझे विधायक दल से जल्द बाहर निकाल देना चाहिए।' शिवपाल और अखिलेश के बीच दरार तब बढ़ गई थी, जब उन्होंने अपने चाचा को 26 मार्च को हुई सपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में आमंत्रित नहीं किया था।

अयोध्या हाईवे पर बाराबंकी में दर्दनाक सड़क हादसा दो ट्रकों के बीच दबी कार, चार की मौके पर ही मौत

बाराबंकी। अयोध्या हाईवे पर पल्हरी के पास बुधवार की भोर करीब पांच बजे तेज रफ्तार कार सामने मवेशी आने से अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित कार डिवाइडर पार करते हुए विपरीत दिशा में पहुंच गई और दो ट्रकों के बीच दब गई। इससे कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कार में लाई जा रहीं पांच भेड़ भी मर गईं। हादसे में मृत तीन लोग लखनऊ के हुसैनाबाद के रहने वाले हैं। इनमें शबी हैदर पुत्र रईस हैदर, आमिर पुत्र नासिर रजा, अनीस पुत्र नफीस खान हैं। जबकि, एक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। सफदरगंज थाना के पल्हरी गांव के पास हुए हादसे में कार सवार करीब एक घंटे तक फंसे रहे। बताया जा रहा है कि हाई वे पर लगे लंबे जाम को खोलवाने में जुटी सफदरगंज पुलिस सूचना के करीब एक घंटे बाद पहुंची और दोनों ट्रकों को क्रेन की मदद से हटवाया। इसके बाद शवों को निकलवाना शुरू किया।

नहीं हो सकी शिनाख्तः कार में चार लोग सवार थे। इनमें सभी की मौत हो गई है। रेस्क्यू में लगी पुलिस मृतकों की शिनाख्त नहीं कर सकी है। कार का नंबर

लखनऊ जिले का होने के कारण उनके लखनऊ निवासी होने की आशंका जताई जा रही है।

तेज रफ्तार मौत का कारण : मौके पर पहुंचे सीओ सदर नवीन सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण कार का तेज रफ्तार में होना है। मृतकों की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने विदेशी कोयले की खरीद पर लगाई रोक, निजी क्षेत्र के बिजली उत्पादक भी नहीं कर सकेंगे आयात

लखनऊ। राज्य सरकार द्वारा विदेशी कोयला खरीदने की अनुमति न दिए जाने से निजी क्षेत्र के स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों को भी इस संबंध में निकाले गए टेंडर निरस्त करने होंगे। कारण है कि आयातित कोयले से बिजली महंगी होने की किसी भी तरह की भरपाई न सरकार और न ही पावर कारपोरेशन प्रबंधन द्वारा किया जाएगा। विदेशी कोयले से एक रुपये यूनिट तक बिजली महंगी होने के कारण उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने नियामक आयोग में याचिका दाखिल कर आयातित कोयले पर रोक लगाने की मांग की थी। इस पर आयोग ने पावर कारपोरेशन प्रबंधन से जवाब-तलब किया था। चूंकि विदेशी कोयले से लगभग 11 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्ययभार आ रहा था इसलिए प्रबंधन ने सरकार से अनुमति मांगी थी। चूंकि सरकार ने अनुमति नहीं दी है इसलिए राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा विदेशी कोयला खरीदने के लिए अब टेंडर प्रक्रिया नहीं की जाएगी। गौर करने की बात यह है कि निजी क्षेत्र के स्वतंत्र विद्युत उत्पादक रोजा, बजाज, लैंको आदि विदेशी कोयला खरीदने के लिए टेंडर निकाल चुके हैं। सरकार द्वारा अनुमति न दिए जाने पर अब सभी को टेंडर निरस्त करना होगा। विदेशी कोयले पर रोक लगाने संबंधी याचिका दायर करने वाले परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने विदेशी कोयला खरीदने की अनुमति न देने पर मंगलवार को मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए प्रमुख सचिव ऊर्जा व उत्पादन निगम के प्रबंध निदेशक से मुलाकात की। वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के दबाव के बाद भी ऐसा फैसला लेकर साबित कर दिया कि उनके रहते तीन करोड़ उपभोक्ताओं का हित हमेशा सुरक्षित रहेगा।

सपा ने विधान परिषद में भाजपा को घेरा, स्वतंत्र देव बोले- चिंता न करें, श्रीलंका जैसा हाल कभी न होगा हिन्दुस्तान का

लखनऊ। प्रदेश में बढ़ती महंगाई के मुद्दे को विधान परिषद में मंगलवार को उठाते हुए सपा ने भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश की। सपा सदस्यों ने कहा कि जब से भाजपा सरकार में आई है तब से कमर तोड़ महंगाई है। श्रीलंका जैसे हालात बनते जा रहे हैं। सपा सदस्यों की चिंता को सिरे से खारिज करते हुए नेता सदन स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि श्रीलंका जैसा हाल कभी न हिन्दुस्तान का होगा और न ही उत्तर प्रदेश का। वंशवाद के कारण श्रीलंका का यह हाल हुआ जबकि हिन्दुस्तान में राष्ट्रवाद है। सिंह ने केंद्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार की तमाम उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों को खुशहाली देने का काम किया है। वैश्विक संकट के दौर में भी सरकार ने मुफ्त अनाज और 100 से अधिक देशों को टीका उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि 100 टके की बात यह है कि ना खायेंगे ना खाने देंगे, ना सोयेंगे और ना ही सोने देंगे। महंगाई नियंत्रित करने के लिए सरकार बाजार पर पैनी नजर रखे है। मौसमी कारणों से घरेलू उत्पादन प्रभावित होने पर मूल्य वृद्धि होती है। इससे पहले सपा के मान सिंह यादव ने कार्यस्थगन के माध्यम से महंगाई पर सरकार को घेरते हुए कहा कि चुनाव के समय महंगाई कम करने का वादा किया गया था लेकिन सरकार महंगाई रोकने में असफल रही है। आशुतोष सिन्हा ने कहा कि खाद्य पदार्थों में एक साल में दोगुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा आई है कमर तोड़ महंगाई है। नेता प्रतिपक्ष संजय लाठर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक देश एक टैक्स की बात कही थी लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों में हर राज्य अलग-अलग टैक्स ले रहे हैं। सरकार ने गुजराती उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसे कानून बनाए जिससे महंगाई बढ़ रही है। सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाकर कृत्रिम महंगाई बढ़ाई है। गेहूं की खरीद निजी कंपनियों ने की है।

सिविल जज ने नई याचिका फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजी, 30 मई को ज्ञानवापी को हिंदुओं को सौंपने पर होगी सुनवाई

वाराणसी। ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी प्रकरण में सिविल जज (सीनियर डिविजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत में भगवान आदि विश्वेश्वर विराजमान के नाम से मुकदमा दाखिल किया गया है। यह मुकदमा विश्व वैदिक सनातन संघ की अंतराष्ट्रीय महामंत्री किरन सिंह ने दाखिल किया है। इस दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वाद दाखिल करने वाले लोग भी शामिल रहें। इस मामले में दोपहर दो बजे के बाद सुनवाई हुई तो ज्ञानवापी केस सिविल जज ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया। सिविल जज रवि दिवाकर ने नई याचिका को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा है जिसकी सुनवाई के लिए 30 मई नई तिथि मुकर्रर कर दी गई है। अब इस केस की सुनवाई जज महेंद्र पांडेय करेंगे। दूसरी ओर ज्ञानवापी मामले को लेकर चल रही सुनवाई को देखते हुए ज्ञानवापी परिसर और काशी विश्वनाथ परिसर ही नहीं, बल्कि कोर्ट परिसर में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। सुरक्षा कड़ी होने के साथ ही हर आने जाने वाले पर नजर रखने के साथ ही संबंधित जगहों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही थी। इस बाबत पुलिस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था पर

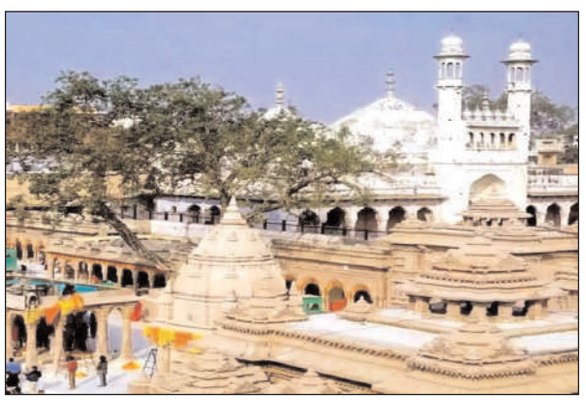

नजर बनाए रहे। बुधवार को सुबह से लेकर दोपहर तक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहने से लोगों की आवाजाही भी कम रही। वैदिक सनातन संघ के जीतेंद्र सिंह बिसेन की पत्नी किरन सिंह की याचिका में मांग की गई है कि ज्ञानवापी परिसर में तत्काल प्रभाव से मुस्लिम पक्ष का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए। ज्ञानवापी का पूरा परिसर हिंदुओं को सौंपा जाए। भगवान आदि विश्वेश्वर स्वयंभू ज्योर्तिलिंग जो अब सबके सामने प्रकट हो चुके हैं उनकी तत्काल पूजा- पाठ शुरू करने की इजाजत दी जाए। अदालत ने प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई के लिए 25 मई की तिथि तय की है। इसी मामले से जुड़ा डा. कुलपति तिवारी का भी वाद है, जिसे जिला जज की अदालत में उभयपक्षों के साथ रखा गया है। दरअसल पूर्व महंत कुलपति तिवारी ने ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने की मांग रखी है। इस मामले की भी सुनवाई चल रही है। जबकि मुस्लिम पक्ष की ओर से मुकदमे की पोषणीयता को लेकर उठी मांग पर गुरुवार 26 मई को दोपहर में सुनवाई की जानी है। वहीं, सुबह से ही अदालत में खूब गहमागहमी का माहौल इस प्रकरण को लेकर बना हुआ है।

उत्तराखंड की सियासत में जबर्दस्त हलचल, सीएम धामी ने कहा- प्रदेश का मामला होगा तो करेंगे उचित कार्रवाई

देहरादून। नोएडा में हुए करोड़ों रुपये के भूमि घोटाले में उत्तराखंड कैडर के तीन नौकरशाहों के सगे-संबंधियों पर मुकदमा दर्ज होने के बाद उत्तराखंड की सियासत में जबर्दस्त हलचल है। प्रदेश कांग्रेस ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग उठा दी है। इधर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मामला हमारे प्रदेश से बाहर का है। लेकिन प्रदेश का कुछ भी मामला होगा तो सरकार उचित कार्रवाई करेगी।

नोएडा प्रशासन ने भूमि घोटाले की जांच में मुख्य आरोपी यशपाल तोमर और एक महिला समेत नौ लोगों को खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि एक आरोपी उत्तराखंड में तैनात एक आईएएस अधिकारी के ससुर, दूसरे आईएएस अधिकारी के पिता और एक अन्य आरोपी आईपीएस अधिकारी की संबंधी बताई जा रही है। भूमि घोटाले की जांच की आंच उत्तराखंड पहुंचने के बाद प्रशासनिक हलकों में खलबली है तो सियासी हलकों में गर्माहट पैदा हो गई है। कांग्रेस ने इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग करके सरकार पर नैतिक दबाव बनाने का प्रयास शुरू कर दिया है। इधर, नौकरशाही में इस मसले को लेकर जबर्दस्त चर्चा है। मीडिया भी प्रदेश सरकार के रुख को भांपने की कोशिश करता रहा।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री से मीडिया कर्मियों ने इस संबंध सवाल पूछा कि तीन नौकरशाहों के सगे संबंधियों के नाम सामने आ रहे हैं, इस पर सरकार क्या कार्रवाई कर रही है? मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला हमारे प्रदेश से बाहर का है। जो भी कानूनी प्रक्रिया है, वहां हो रही है। कानून अपना काम करेगा। यदि हमारे प्रदेश का कुछ मामला होगा तो हम उचित कार्रवाई करेंगे।

संपादकीय

चीन-अमेरिका में ठनी

जापान में क्वाड समिट से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन को ताइवान के मसले पर कड़ा संदेश दिया है। जो बाइडेन ने कहा कि यदि ताइवान पर चीन हमला करता है तो फिर अमेरिका उसका जवाब देगा। उन्होंने कहा कि ऐसा होने की स्थिति में अमेरिका की ओर से ताइवान को सैन्य मदद दी जाएगी। यही नहीं उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि चीन खतरे से खेलने का प्रयास कर रहा है। बाइडेन ने कहा कि यह हमारा कमिटमेंट है कि ताइवान की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि वन चाइना पॉलिसी को लेकर सहमत हैं, लेकिन किसी भी क्षेत्र पर यदि चीन की ओर से जबरन कब्जा किया जाता है तो फिर उसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा, हम वन चाइना पॉलिसी से सहमत हैं। हमने उस पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन बलपूर्वक कुछ भी हथियाने का काम चीन करता है तो वह ठीक नहीं होगा। चीन को लेकर बाइडेन का यह बयान यूक्रेन में रूस को न रोक पाने की विफलता है। अब अमेरिका ताइवान के बहाने उस प्रतिष्ठा को फिर से हासिल करना चाहता है, जो उसने यूक्रेन मसले पर गंवाई है। यूक्रेन जंग से पहले तक अमेरिका के भरोसे रहा। अमेरिका भी यूक्रेन को मदद का भरोसा देता रहा, लेकिन रूस ने देखते-देखते यूक्रेन को खंडहर में तब्दील कर दिया। अमेरिका की किरकिरी के बीच कई छोटे देश अपनी योजना बदलने पर मजबूर हुए। बाइडेन इसकी गंभीरता को समझते हैं। इसीलिए उन्होंने चीन के साथ रूस को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि यूक्रेन में बर्बरता की कीमत व्लादिमीर पुतिन को चुकानी होगी। रूस को लंबे वक्त तक इसकी कीमत अदा करनी होगी। उन्होंने कहा कि यह बात सिर्फ यूक्रेन को लेकर ही नहीं है। अब जो बाइडेन के इस रुख पर चीन भी भड़क सकता है। वह पहले भी कई बार अमेरिका को ताइवान की मदद के मामले में चेतावनी दे चुका है। चीन की विस्तारवादी सोच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह ताइवान को अपना हिस्सा बताता है। चीन अक्सर ताइवान की सीमा में घुसने की फिराक में रहता है। इसके साथ ही चीन दक्षिणी चीन सागर के अधिकतर हिस्से को अपना बताता है। ताइवान के मुद्दे पर चीन और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन ताइवान और चीन के आपसी कारोबार में हाल में तेज गति से वृद्धि हुई है। बीते वित्त वर्ष में ताइवान ने चीन को 270 बिलियन डॉलर के बराबर का निर्यात किया। यह ताइवान के सालाना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 40 फीसदी था। ताइवान की जीडीपी पिछले साल 668 बिलियन डॉलर की थी। इस बीच चीन में ताइवान का निवेश बढ़ कर 200 बिलियन डॉलर की सीमा पार कर गया है। अब ताइवान चीन में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में एक बन गया है। 1991 से मई 2021 तक ताइवान के 44,577 निवेश प्रस्ताव चीन में मंजूर हुए। इनके तहत 193.51 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। ताइवान से चीन को सबसे ज्यादा निवेश कंप्यूटर चिप का हो रहा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के समय लगाए गए व्यापार प्रतिबंधों के बाद से चीन के सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए ताइवान एक बड़ा सहारा बन गया है। चीन में इस समय जितने चिप फैब्रिकेशन इंजीनियर काम कर रहे हैं, उनमें लगभग 20 प्रतिशत ताइवानी हैं। ये लोग चीन में चिप निर्माण की सुविधाएं तैयार करने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। ताइवान ने चिप उद्योग में जो विशाल निवेश किया है, उसकी सफलता चीन से आने वाली मांग पर निर्भर है। 2020 में चीन ने ताइवान से 350 बिलियन डॉलर के चिप का आयात किया था। चिप का फिलहाल जितना बड़ा बाजार चीन में है, उतना इस समय दुनिया में कहीं और नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर चीन के लिए ताइवानी निर्यात में बाधा पड़ी, तो ताइवान के चिप उद्योग को बहुत बड़ा नुकसान झेलना होगा। उधर चीन के इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को भी इससे उसी पैमाने पर क्षति होगी। फिलहाल चीन की ताइवान पर निर्भरता इतनी ज्यादा है कि ताइवान पर हमला करना उसके हित में नहीं होगा। ऐसे में उसके हमले की आशंका तभी पैदा होगी, अगर ताइवान अचानक अपनी स्वतंत्रता का एलान कर दे। ताइवान को चीन अपना हिस्सा समझता है। लेकिन चीन में कम्युनिस्ट क्रांति होने के बाद से वहां चीन सरकार का शासन नहीं है।

संतोष का मार्ग

एक ऋषि अपने शिष्य कपिल के साथ श्रावस्ती नरेश के पास गए। ऋषि से मिलकर नरेश प्रसन्न हुए और उनके आदर-सत्कार में लग गए। इधर कपिल एक सेविका के रूप पर मुग्ध हो गया। उस सेविका ने कपिल से विवाह करने से पहले महंगे कपड़े और गहने मांगे। कपिल यह सब देने में असमर्थ था। सेविका ने इसकी व्यवस्था का तरीका बताते हुए कहा कि जो श्रावस्ती नरेश का प्रातःकाल सर्वप्रथम अभिवादन करता है, उसे वे दो स्वर्ण मुद्राएं प्रदान करते है। कपिल रात बीतने के पहले ही नरेश के शयनकक्ष में घुसने लगा मगर चोर समझकर द्वारपालों ने उसे पकड़ लिया। नरेश के सामने उसने सब बातें सच-सच कह दीं। उसके भोलेपन पर प्रसन्न हो नरेश ने उसकी मुंहमांगी चीज देने का वचन दिया। कपिल ने एक दिन का समय मांगा। सोचने लगा, दो स्वर्ण मुद्राएं तो कम हैं, क्यों न सौ मांग लूं, पर वे भी कितने दिन चलेंगी। उसने पूरा राज्य ही मांग लिया। श्रावस्ती नरेश निःसंतान थे, उन्हें योग्य व्यक्ति की तलाश भी थी। उन्हें कपिल योग्य लगा। वह बोले- तुमने मेरा उद्धार कर दिया। मैं तृष्णा रूपी सर्पिणी के पाश से छूट गया। यह सुनकर कपिल का विवेक जाग्रत हो गया। वह बोला- महाराज, आप जिस दलदल से निकलना चाहते हैं, उसी में मैं गिरना नहीं चाहता। मुझे कुछ नहीं चाहिए। वह ऋषि के पास गया और उनसे सब कुछ कह डाला। ऋषि बोले- कामनाओं का कहीं अंत नहीं होता, इसलिए जितना अपने परिश्रम और ईश्वर कृपा से मिल जाए, उसी में प्रसन्न व संतुष्ट रहना चाहिए।

राजनीति से परे

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 8 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। अष्ट पूर्ति के इस वर्ष को भारतीय जनता पार्टी सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण वर्ष के रूप में संपूर्ण देश में मना रही है। सुदूर ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्र में फैले समाज तक मोदी सरकार के संदेश को पहुंचाने के लिए भाजपा के लाखों कार्यकर्ता 15 दिन तक सक्रिय रहेंगे। प्रतिष्ठित नागरिक, किसान, महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक समाज तक अनेकों प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से गरीब कल्याण के संदेश को पहुंचाने का यह कार्य संपन्न होगा। देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बड़े प्रकल्पों का दर्शन युवाओं को कराने के लिए विकास तीर्थ यात्राओं का भी आयोजन होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार के द्वारा गत 8 वर्षों में देश के उत्थान के लिए अनेक अनुकरणीय पहल हुई है। मोदी जी के हृदय की संवेदना, उनकी सक्रियता, विकास के प्रति उनकी विशिष्ट दृष्टि, समस्याओं का सूक्ष्म अध्ययन, उचित समय पर उचित निर्णय आदि अनेक गुण उनको शेष से कुछ अलग एवं विशेष बनाते हैं। राजनीतिक नेता एवं दल का स्वभाव सामान्यतः एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सोचना, येन-केन प्रकारेण चुनाव जीतने तक रहता है इसी कारण लोकलुभावन वायदे एवं योजनाएं ही राजनीतिक दल बनाते हैं। लेकिन मोदी जी ने 8 वर्षों में अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं जिन्हें आगामी दशकों तक समाज स्मरण करेगो इन्हीं निर्णयों एवं कार्यों के कारण देश मोदी जी की सरकार को "वरदान" मानता है। कोई भी देश तभी आगे बढ़ सकता है जब वहां के सभी नागरिक दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वाह करें। अपने भाग्य का निर्णय कुछ नेताओं और दलों को सौपकर आलोचक वृत्ति अपनाने से आज तक कोई भी देश दुनिया में आगे नहीं बढ़ा। इसी सिद्धांत का स्मरण पूर्व राष्ट्रपति डॉ० एपीजे अब्दुल कलाम हमको कराते थे। वे कहते थे कि भारत का नागरिक जब विदेश में जाकर वहां के नियमों का पालन कर सकता है, तब वही नागरिक भारत में आकर अपने हाथ का कचरा सड़क पर क्यों फेंकता है। मोदी जी ने स्वच्छता अभियान के माध्यम से संपूर्ण नागरिकों में इस कर्तव्य भाव को जगाया है। आज संपूर्ण देश में इसकी अनुभूति छोटे बच्चे से लेकर वृद्ध तक में की जा सकती है। हम अपने सार्वजनिक स्थलों में इस परिवर्तन को प्रत्यक्ष देख सकते हैं। समाज में घटता लिंगानुपात संपूर्ण समाज के लिए एक विकट समस्या उत्पन्न कर सकता है। यह समस्या किसी एक दल की न होकर संपूर्ण समाज की है, इसका अनुभव करते हुए मोदी जी ने "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" के माध्यम से इसका समाधान का मार्ग सुझाया। सेल्फी विथ डॉटर, सुकन्या समृद्धि योजना आदि अनेक योजनाओं का परिणाम है कि लिंगानुपात में गुणात्मक परिवर्तन तो आया ही है, साथ ही साथ कन्या भ्रूण हत्या में कमी, शिक्षा, महिलाओं के प्रति सम्मान, बराबरी का अधिकार, निर्णयों में भागीदारी भी बढ़ी है। समाज में महिलाओं के प्रति देखने की दृष्टि में ही परिवर्तन हुआ है। उदाहरण ही देना हो तो मऊ जनपद (उत्तर प्रदेश) में लिंगानुपात 2014-15 694 से बढ़कर 2019-20 में 951 हुआ। नमामि गंगे योजना से केवल गंगा ही नहीं, संपूर्ण देश की नदियों, जल एवं पर्यावरण के प्रति समाज की दृष्टि में परिवर्तन हुआ है। जल का सीमित उपयोग, जल की एक-एक बूंद का प्रयोग, जलसंधारण आदि सभी के प्रति जागरूकता आयी है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर हमारे देश की जल की समस्या के

समाधान में सहायक होंगे। रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से की हुई खेती से उत्पन्न अन्न हमको बीमार बना रहा है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए जैविक, प्राकृतिक खेती एवं गौ आधारित कृषि का बढ़ावा हमारे लिए अचूक रामबाण उपाय सिद्ध होगा। अर्थ संकल्प में स्वीकृत अब गंगा के किनारे 5 किलोमीटर का गलियारा प्राकृतिक खेती के लिए होगा एवं 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल जैविक खेती से युक्त होगा। भ्रष्टाचार हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है। मोदी जी का यह संकल्प "न खाऊंगा, न खाने दूंगा" उनके पारदर्शी, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प का स्मरण कराता है। भ्रष्टाचार रोकने के लिए तकनीक का प्रयोग, ई-बैंकिंग व्यवस्था, डीबीटी स्कीम सहायक बनी है। अब उचित व्यक्ति तक निश्चित धनराशि पहुच रही है। विकास श्रृंखला में आकांक्षी जिलों का विकास उनकी विकास के प्रति एक अलग दृष्टि को प्रकट करता है। चिकित्सा क्षेत्र में आयुर्वेद का विकास एक सराहनीय पहल है। कोरोना के अनुभव ने आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित किया है। आयुर्वेद में बजट का बढ़ाना, आयुर्वेद पर शोध एवं आयुर्वेद पर्यटन के माध्यम से विश्व भर में आयुर्वेद को स्थापित किया जा रहा है। आयुर्वेद के साथ ही साथ योग अब विश्व भर में लोकप्रिय विषय बना है। वैश्विक मांग की पूर्ति के लिए प्रशिक्षित योग सेना तैयार करने का प्रयास हो रहा है। 21 जून योग दिवस अब विश्व भर में स्थापित हुआ है। मास्को से माले तक 19 मिशनों एवं वाणिज्य दूतावासों में योग की शिक्षकों की नियुक्ति हुई है।

देशभर में खादी खरीदने के आग्रह के परिणाम स्वरूप खादी की बिक्री बढ़ी है। खादी के माध्यम से स्वदेशी, कुटीर उद्योग एवं रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में लाभ हुआ है। कांग्रेस केवल खादी के नारे ही लगाती रही, मोदी जी ने पुनः देश में खादी को स्थापित कर दिया। 2014 में 66.81 लाख रुपये की बिक्री हुई , वही 13 नवंबर 2020 एक ही दिन में 111.40 लाख रुपये की बिक्री हुई है । देश में उत्कृष्ट एवं रचनात्मक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए पदम पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा दिए जाते हैं। कुछ दशकों पूर्व पदम पुरस्कार का राजनीतिकरण विवाद का विषय बना था। प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस प्रक्रिया को बदला। अब पुरस्कार के लिए व्यक्ति की पहचान नहीं बल्कि उसके कार्य की पहचान आधार बन गया है। अब किसानों, गांव एवं कस्बों में रहने वाले गुमनाम लोग को पदम पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा हैं। मैला ढोने वाली अलवर राजस्थान की महिला उषा चौहान पदम श्री पाकर अपने को गौरवान्वित अनुभव कर रही हैं। देश में लाल बत्ती के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर वीआईपी होने की मानसिकता पर ही मोदी जी ने प्रहार किया। उनका मानना है कि जिस नियम एवं अनुशासन के पालन की अपेक्षा सभी देश के नागरिकों से है, वही जनप्रतिनिधि को भी पालन करना चाहिए। जनप्रतिनिधि सेवा भाव से ही विचार करें इसका संदेश भी स्वयं मेट्रो ट्रेन मे यात्रा करके मोदी जी ने दिया है। समाज की कसौटी पर खरा उतरना, सदैव जवाब देह रहना जनप्रतिनिधियों को मोदी जी का सतत संदेश है। परिवारवाद लोकतंत्र के लिए खतरा है। इस कारण परिवारवाद पर प्रहार करते हुए लोकतंत्र को समृद्ध करने के प्रयास हुए है। नई पीढ़ी को समाविष्ट करने के लिए युवाओं को आगे लाना, न्यू इंडिया के मोदी जी के संकल्प को समृद्ध करता है। मन की बात देशभर में सकारात्मक ऊर्जा संचार का माध्यम बनी है अच्छे व्यक्तियों के कार्यों को आगे लाना, सकारात्मक प्रयोगों की चर्चा, उत्सवों का महत्व, महापुरुषों के प्रति श्रद्धा आदि विषय समाज के सामने मन की बात के माध्यम से आए हैं। युवाओं को प्रेरणा देने वाले अनेक प्रयोगो की चर्चा, मन की बात में हुई है।

कूलिंग ऑफ पीरियड का कानून कब बनाओगे सरकार?

देश की सबसे बड़ी अदालत ने कूलिंग ऑफ पीरियड का कानून बनाने की जिम्मेदारी विधायिका पर छोड़ दी है, मतलब स्पष्ट है कि कानून बने तब जाकर ही चुनाव प्रक्रिया में सुधार का नया दौर शुरू हो सकता है। हालाकि चुनाव आयोग कूलिंग ऑफ पीरियड तय करने के पक्ष में रहा है लेकिन महज सुझाव तक ही बात आकर अटक गई। कई साल पहले भाजपा के दिवंगत नेता अरूण जेठली जी ने तो जजों के लिए भी कूलिंग ऑफ पीरियड के कानून की वकालत की थी। उनका कहना था कि जजों की सेवा निवृत्ति के पहले दिये गये फैसले सेवा निवृत्ति के बाद मिलने वाले फायदों से प्रभावित होते हैं। रामलला की जन्मस्थली अयोध्या का फैसला भी माननीन स्वर्गीय अरूण जेठली जी की इच्छा के विरूद्ध दिया गया फैसला है, ऐसा हम मान सकते हैं। सेवा निवृत्ति के तत्काल बाद, सेवा निवृत्त न्यायधीश को अहम पदों पर नियुक्तियाँ मिलने लगी हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश को भी सेवा निवृत्ति के बाद राज्य सभा में भेजने के पश्चात, देश में उंगलियाँ उठना शुरू हो गई, तथा देश में यह संदेश भी गया कि शासन के पक्ष में फैसला करने पर न्यायधीशों को सरकार कैसे पुरूस्कृत करती है? देश को आशा थी की कानून के ज्ञाता राज्यसभा में पहुँचे हैं, तो यूएपीए जैसे कानून बनने के पूर्व वे भारत के संविधान के मौलिक अधिकार एवं प्राकृतिक न्याय के खिलाफ बनने वाले कानून पर अपनी सख्त प्रतिक्रिया देंगे तथा सदन को ढप्प कर देंगे, परन्तु दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि उनकी सदन में बोलते हुए तस्वीर भी इस देश की जनता ने नही देखी। इस देश में कानून, देश की जनता के हित के लिए बनाये जाते हैं, कानून के लिए जनता नही बनाई जाती, इस फर्क को हमारी विधायिका को समझना होगा। मिशाल के तौर पर छिन्दवाड़ा में जिलाधीश के पद पर कार्यरत अधिकारी जिन्हें बाद में कमिश्नर के पद पर नवाजा गया। मॉचागोरा बाँध के प्रभावित किसानों के साथ जमकर धोखाधड़ी की गई, आन्दोलनकारियों को जेल के अन्दर भेजा, मॉचागोरा बाँध में भ्रष्टाचार की नदियाँ बहाई, आज भी मॉचागोरा बाँध उनके नाम पर सिसक रहा है। नहरें नदारत है पॉलिथिन बिछाकर किसानों को पानी दिया जा रहा है उस पर भी नहरें फूटकर किसानों के खेत में दलदल में तबदील हो रही है। विश्वत सूत्रों से जनकारी मिली है कि महोदयजी के सेवा निवृत्त होने के पश्चात एक पार्टी ने उनकी सदस्यता ग्रहण करा ली है और निकट भविष्य में विधान सभा का चुनाव लड़ने हेतु टिकिट भी दी जाने वाली है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, सत्ता में बदलाव के साथ ही नौकरशाही में फेर बदल की प्रक्रिया साफ तौर पर यह दशार्ती है कि दल के प्रति निष्ठावान व्यक्तियों को ही स्थान मिलता है। जब कोई नौकरशाह अचानक किसी दल के साथ बतौर उम्मीद्वार सामने आता है तो उसके कार्यकाल को लेकर भी राजनीतिक दलों से प्रभावित होने का संदेह उठ खड़ा होता है। आम जनता के बीच में यह चर्चा का विषय मेरे ख्याल से इसलिये नही बन पाता कि लोग सोचते हैं जिलाधीश या न्यायाधीश, पुलिस अधिक्षक आदि पदों पर आसीन व्यक्ति राजनीति में पदार्पण करेगा तो देश तरक्की करेगा, लेकिन वास्तविक स्थिति कुछ और है, नौकरशाह जब अचानक राजनीति में पदार्पण करते है तो उन्हें देश के अन्तिम छोर पर खड़े व्यक्ति का दर्द और पीड़ा का एहसास नही होता। कानून का ज्ञान तो उन्हें अवश्य होता है क्योंकि उन्होंने कानून का अध्ययन किया है, लेकिन समाज का अध्ययन ना किये जाने के कारण समाज का ज्ञान उन्हें नही होता। नौकरशाह आज भी निष्पक्ष होकर अपना काम नही कर पाते विधायिका के इशारों पर कार्यपालिका काम करती है और इसी कारण नौकरशाहों को समाज के अन्तिम छोर पर खड़े व्यक्ति की तश्वीर भी दिखाई नही देती और इसी कारण वे संसद में पहुचकर तार्किक तरीके से बनने वाले कानून पर अपनी प्रतिक्रिया नही दे पाते। क्योंकि समाज का अध्ययन वे नही करते। हमें हमारे देश में समाज का अध्ययन करके कानून बनाने वालों की आवश्यकता है जैसे कि स्वर्गीय मधु लिमये जी करते थे। मधु लिमये जी पर लगभग झूठे 32 मुकदमें लादे गये अपने प्रक्रण की पैरवी वे स्वयं करते थे, जब वे पैरवी करते थे तब न्यायाधीश मंत्र मुग्ध होकर उनकी बातों को सुनते थे उनके द्वारा की गई बहस पर निर्णय में प्रतिक्रिया भी देते थे। दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि आज की विधायिका कानून बनाने में कोई रूचि नही लेती, इस कारण नौकरशाह कानून बना रहे हैं, जिसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ रहा है।

राज्य यानी सरकारें कोर्ट्स में सबसे बड़ी मुकदमेबाज है यह बात हमारे सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य नयायाधीश ने कही और हम प्रतिदिन देखते हैं कि न्यायालय में लम्बित मामले यह दशार्ते है कि सरकार अगर चाहती तो फैसला देकर प्रकरण की बाहुल्यता को रोक सकती है।

कृषि विज्ञान केंद्र, वाराणसी को मिले पाँच नये वैज्ञानिक

प्रखर वाराणसी। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, कल्लीपुर, वाराणसी में पाँच नये कृषि वैज्ञानिकों ने पदभार ग्रहण किया। नवनियुक्त वैज्ञानिक में शस्य वैज्ञानिक अमृतेश सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर प्रतीक्षा सिंह, प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राहुल कुमार सिंह, उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर मनीष पांडेय एवं बीज तकनीकी वैज्ञानिक श्रीप्रकाश सिंह शामिल हैं। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर नरेंद्र रघुवंशी ने विश्वविद्यालय के कुलपति-डॉक्टर बिजेंद्र सिंह एवं निदेशक-प्रसार डॉक्टर ए. पी. राव सर का आभार प्रकट किया तथा नवनियुक्त वैज्ञानिकों के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हुए जनपद की खेती किसानी की व्यवस्था में शत प्रतिशत योगदान देने की बात कही। डॉक्टर सिंह ने कहा की सभी वैज्ञानिकों के रिक्त पद भरे जाने से कृषि विज्ञान केंद्र, वाराणसी पूरी क्षमता के साथ कृषि कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ा सकेगा। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर नवीन सिंह, प्रक्षेत्र प्रबंधक राणा पीयूष सिंह, अरविंद कुमार इत्यादि कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिल्ली में भीषण जल संकट है और केजरीवाल हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं

पिछले कई दिनों से गंभीर जल संकट से दिल्ली की जनता परेशान है। परेशानी का सबब यह है कि पानी पहुंचाने वाले टैंकरों को कड़ी सुरक्षा में चलाया जा रहा है, ताकि पानी को लेकर हिंसा की नौबत न आ जाए। दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में पानी की कमी से जूझ रहे लोग पानी की टंकियों और हैंडपंपों से बूंद-बूंद पानी इकट्ठा कर रहे हैं और अपने-अपने पानी के डिब्बों को जंजीर से बांधकर रख रहे हैं। ऐसा ही नजारा वसंत विहार के कुसुमपुर पहाड़ी इलाके में देखने को मिला। यह चिंताजनक इसलिए है कि अगर ऐसे ही हालात बने रहे तो यह जल संकट कभी भी जल संघर्ष एवं हिंसा में बदल सकता है। यह तो अक्सर देखने में आता ही रहा है कि पानी को लेकर लोग एक दूसरे की जान तक लेने में भी नहीं हिचकते। भीषण गर्मी और हरियाणा में नदी में कम पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। दिल्ली के जल-संकट को जल्दी-से-जल्दी दूर करना सरकार की प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

दिल्ली में जल संकट वैसे तो हर वर्ष गर्मी की समस्या है, पर इसका दुष्प्रभाव साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ती जनसंख्या की वजह से दिल्ली में पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। अगर हम आंकड़ों पर गौर करें तो यह बात काफी हद तक सच भी है। जैसे दिल्ली की जनसंख्या में बीते दो दशकों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। परंतु केवल जनसंख्या में वृद्धि ही दिल्ली में साल दर साल गहराते जल संकट का कारण नहीं है। विश्व के किसी भी शहर एवं खासकर राजधानी क्षेत्र की

जनसंख्या में वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर इससे उपजने वाली विभिन्न समस्याओं एवं जल संकट का मूल आबादी की बजाय, आबादी द्वारा चुनी गई सरकार एवं उसके लिए कार्य करने वाली संस्थाएं हैं, जोकि जीवन के मूलभूत तत्वों एवं जीवन निर्वाह की मूल जरूरतों में से एक जल भी उपलब्ध नहीं करवा पाती है। यह सरकार की नाकामी को दशार्ता है।

यह कैसी सरकार है जिसके शासन में एक-एक बाल्टी पानी के लिए लोग रात-रात भर जाग रहे हैं। जहां पानी पहुंच रहा है वहां लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। जिनके पास पानी खरीदने को पैसे नहीं हैं, वे गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जो खरीद सकते हैं, वे मुंहमांगा दाम दे रहे हैं। ऐसा नहीं कि ये हाल कुछेक इलाकों का है। आधी से ज्यादा दिल्ली पानी के लिए इसी तरह तरस रही है। यह हर साल का रोना है। लेकिन विडंबना यह है कि जल संकट के स्थायी समाधान के लिए क्या हो, इसकी फिक्र किसी को नहीं दिखती।

दिल्ली में जल-संकट का कारण रजनीति भी है। पानी को लेकर विवाद दूसरे राज्यों में भी होते रहते हैं। नदियों के पानी पर किसका और कितना हक हो, यह मुद्दा जटिल तो है ही, राज्यों की राजनीति ने इसे और पेचीदा बना डाला है। दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने को लेकर उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के साथ चर्चा करीब तीन साल से चल रही है। हरियाणा सरकार के साथ भी लंबे समय से बात चल रही है। पर अब तीनों राज्यों ने अपनी मजबूरी जता दी है। मोटे तौर पर दिल्ली में पानी का संकट तब खड़ा होता है, जब यमुना में पानी कम हो जाता है। ताजा स्थिति यह है कि वजीराबाद बैराज पर यमुना नदी का जलस्तर सामान्य से छह फीट नीचे चला गया है। यहां पानी हरियाणा से आता है। हरियाणा तर्क यह दे रहा है कि पंजाब उसे उसके हिस्से का पानी नहीं दे रहा। यानी जब पंजाब हरियाणा को पानी देगा, तब वह दिल्ली को देगा। अगर वाकई ऐसा है तो यह बेहद गंभीर बात है। इससे तो यही लग रहा है कि पानी को लेकर सरकारें राजनीति कर रही हैं। गौरतलब है कि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भाजपा की। जबकि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और उसी की सरकार पंजाब में है तो वह समस्या के समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होती? पंजाब हरियाणा को पानी दे तो दिल्ली को पानी मिल सकता है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिये गंभीरता क्यों नजर नहीं आ रही है? क्यों जल पर राजनीति की जा रही है? क्यों जनता को पानी के लिये त्राहि-त्राहि करने पर विवश किया जा रहा है? ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली का यह जल-विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दे उससे पूर्व आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक राष्ट्रीय हित एवं जनता के हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

केराकत में दूसरे दिन भी चला प्रशासन का बुलडोजर

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत नगर के कायाकल्प के लिए प्रशासन लगातार दूसरे दिन भी बुलडोजर के साथ निकल कर नगर के अतिक्रमणकारियों के अवैध कब्जे को उखाड़ रही है।बीते दिन बाईपास रोड पर प्रशासन द्वारा बाईपास रोड कार्यवाही करते हुए ठेले खोमचे के साथ नाली व फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वालो को हटवाया गया था ।अभियान को जारी रखते हुए बुधवार को हरकत में आते हुए प्रशाशन ने नगर अंतर्गत नरहन रोड पर फुटपाथ व नाली पर दुकानदारों द्वारा किए गये अतिक्रमण को हटाया गया। कई दुकानदारों के द्वारा नाली पर अवैध रूप से कब्जा भी बुलडोजर के माध्यम से हटवाया गया।

लोक मानस के अभिव्यक्ति आय : हाना

लोक के समस्त क्रिया-कलाप, स्थिति संघर्ष, घटित घटनाएं लोकोक्तियों के माध्यम से लोक में परिव्याप्त हैं, जिनमें सूक्ष्म निरीक्षण और गहन ज्ञान की संचित राशि है। यह आकार में छोटे किन्तु प्रभावोत्पादक और हृदयग्राही है। हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम वाणी, व्यापार में लोकोक्तियों का प्रयोग करें।

छत्तीसगढ़ी हाना में जहां लोक मानस की अभिव्यक्ति हुई है वहीं लोक जीवन भी प्रतिबिंबित हुआ है। लोक के समस्त क्रिया-कलाप, स्थिति संघर्ष, घटित घटनाएं लोकोक्तियों के माध्यम से लोक में परिव्याप्त हैं, जिनमें सूक्ष्म निरीक्षण और गहन ज्ञान की संचित राशि है। यह आकार में छोटे किन्तु प्रभावोत्पादक और हृदयग्राही है। हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम वाणी, व्यापार में लोकोक्तियों का प्रयोग करें। विलुप्त होती इन लोकोक्तियों को ग्रामीण जनों से सीखें उन्हें व्यवहार में उतारें।

पे्ररणाप्रद हाना

खासर खूसर बिन सामी के मूसर राजा के दूसर,
छेरी के तीसर, चलनी के चाल,
घोड़ा बिन लगाम, नई आवे काम।

खासर अर्थात गाड़ी में लकड़ी का असकुड़ (बीच की धूरी) बिना छल्ले का मूसर कोई काम का नहीं, राजा के दो लड़के नहीं होना चाहिए, इससे उत्तराधिकारी के लिए विवाद होता है, बकरी के तीन बच्चे नहीं होना चाहिए, क्योंकि बकरी के दो ही थन होते हैं, जिससे तीसरा बच्चा दूध के अभाव में मर जाता है। चलनी का सहज स्वभाव है कि वह अच्छी चीज को छोड़ देती है, बेकार वस्तु को एकत्र करती है। अच्छी वस्तु को छोड़कर बेकार वस्तु को ग्रहण करना तो ठीक नहीं होता। इसी प्रकार घोड़ा भी बिना लगाम के वश में नहीं रहता, अर्थात उपरोक्त परिस्थितियां कोई काम की नहीं, औचित्यहीन है। बुजुर्गों से अनुरोध कर उन्हें संकलित कर लोक साहित्य का संरक्षण व संवर्धन करें। अन्यथा लोक साहित्य की अन्य विधाओं की तरह यह भी संकुचित हो जाएगी। नगर व पाश्चात्य सभ्यता हमारे लोक साहित्य व लोक संस्कृति के लिए विष बेल का कार्य कर रही है। इससे हमें बचना और बचाना है।

गुरूर गौरव

कृति	गुरूर गौरव
कृतिकार	डा. प्रकाश पतंगीवार
समीक्षक	डा. पुष्पलता मिश्रा
प्रकाशक	सर्वप्रिय प्रकाशन दिल्ली
मूल्य-	दो सौ रूपए

मनुष्य का वास्तविक जीवन कष्टमय होता है और मनुष्य अपने जीवन का मूल्य समझने वाले, हर क्षण अपनी जन्म और कर्मभूमि के लिए माटी का कर्ज चुकाने जितना हो सके, प्रयास करते रहते हैं। ऐसे ही प्रयास करने वाले कर्मठ व्यक्तित्व के धनी कुशल चिकित्सक होने के साथ ही, साहित्य व पत्रकारिता के क्षेत्र में रूचि रखने डा. प्रकाश पतंगीवार जी हैं, जिन्होंने बालोद जिले के गुरूर में जन्म लेकर यहां की कला, संस्कृति, साहित्य व इतिहास को समझा, देखा और परखा। इसके बाद आपने 'गुरूर गौरव' शीर्षक से इस अंचल की उपलब्धियों का रेखांकित किया है। आपने संपूर्ण विषयों को विभिन्न खंडों में जैसे, इतिहास-पुरातत्व, त्रिवेणी और कलाकार, लोक-संस्कृति, साहित्यिकी, धर्म-आस्था, व्यक्तित्व-कृतित्व, विविधा और गांव की कहानी में विभाजित कर विस्तार से विषय-वस्तुओं को रखने का प्रयास किया है। आपके इस पुस्तक को पढ़कर पाठक तो लाभांवित होगें ही, साथ ही साहित्यकारों को भी अपने अंचल की उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु प्रेरणा मिलेगी।

अभिलेखों से ज्ञात होता है कि ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में आटविक जनपद कलिंग राज्य की सेना के लिए एक महत्वपूर्ण स्त्रोत था। अशोक ने ईसा पूर्व 261 में कलिंग को अधिकृत कर लिया था। चंद्रगुप्त दण्डकारण्य की स्वाभिमानी प्रजा पर अपना शासन चक्र नहीं चला सका। इस कारण अशोक का कलिंग विजय के पश्चात हृदय परिवर्तन होने पर आटविक जनों को वशीभूत करने की विचारधारा को त्याग कर उन्हें अपना मित्र बनाना चाहा।

एकजुटता की मिसाल रही मौर्ययुगीन आटविक जनपद

दंडकारण्य का प्राचीन इतिहास बताता है कि वह सदैव स्वाभिमानी और स्वतंत्रता प्रिय रहा है। जब भी यहां के निवासियों को किसी राजा ने स्वाधीन बनाना चाहा, इन्होंने परतंत्रता को अपने ऊपर लागू नहीं होने दिया और अपने स्वातंत्र्य ध्वज को गगन में फहराया। इतना ही नहीं, चंद्रगुप्त मौर्य का सुदृढ़ सुविशाल और सुविस्तृत एक तंत्र साम्राज्य भी दंडकारण्य को अपने अंतर्गत नहीं कर सका। चाणक्य की रणनीति और अपार संग्राम वाहिनी का स्वामी होकर हिमालय से मैसूर तक अप्रतिबद्ध चक्र दौड़ाने वाला चंद्रगुप्त दण्डकारण्य की स्वाभिमानी प्रजा पर अपना शासन चक्र नहीं चला सका। उन्हें पश्चिम के यवन प्रदेश को तो मिल गए किन्तु पूर्व के दण्डक और कलिंग वह हथिया न पाया। ऐसे सुंदर और समृद्ध प्रदेश को झपट लेने के लिए क्या चंद्रगुप्त और चाणक्य लालायित न रहे होंगे? किन्तु यहां के जनपद भी तो स्वतंत्रता को अपने प्राणों से प्रिय मानते थे।

आटविक जनपद तथा कलिंग मौर्य साम्राज्य के कांटे थे। प्रियदर्शी अशोक उन्हें कब देख सकता था। उसने सर्वप्रथम कलिंग पर चढ़ाई की, लेकिन कलिंग का साथ दिया आटविक राज्य के सैनिकों ने। दंडक और कलिंग के लड़ाकों ने वह लड़ाई लड़ी कि अशोक का दिल दहल गया। कलिंग में एक लाख सैनिक मारे गए और डेढ़ लाख कैद किए गए। इनके अलावा इससे कई गुने अकाल, महामारी तथा उन विपत्तियों के शिकार हुए, जो युद्ध के बाद लोगों पर आती है। यद्यपि कलिंग ने अशोक की अधीनता स्वीकार कर ली, किन्तु आटविक राज्य के रणबांकुरों ने अपनी एक इंच भी भूमि अशोक को नहीं दी।

आटविक राज्य

अशोक के प्रस्तराभिलेखों से यह प्रतीत होता है कि वर्तमान बस्तर तथा उड़ीसा के कोरापुट कालाहांडी जिलों का क्षेत्र, उस युग के आटविक राज्य के अंतर्गत था। इन अभिलेखों से ज्ञात होता है कि ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में आटविक जनपद कलिंग राज्य की सेना के लिए एक महत्वपूर्ण स्त्रोत था। अशोक ने ईसा पूर्व 261 में कलिंग को अधिकृत कर लिया था, किन्तु आटविक भूमि को वह नहीं जीत सका तथा यह क्षेत्र अशोक के साम्राज्य का कभी अंग नहीं बन सका। अपने द्वितीय विशिष्ट प्रस्तराभिलेख में अशोक ने यह उत्कीर्ण करवाया था, कि आटविक जन अविजित पड़ोसी हैं-अंतानं अविजितानं। इसे क्षेत्र के जज्बाती व लड़ाकू वनवासी अशोक के लिए निरंतर चिंता के विषय बने रहे। अशोक का सतत यही प्रयास रहा कि उन्हें संतुष्ट कर वह उनको अपना मित्र बना लें। अशोक का जब कलिंग विजय के पश्चात हृदय परिवर्तन हुआ, तो उसने आटविक जनों को वशीभूत करने की विचारधारा को त्याग दिया तथा स्नेह से उन्हें अपना मित्र बनाना चाहा। अशोक ने आटविक लोगों से स्पष्टतः यह कहा कि उन्हें अशोक की ओर से चिंताकुल नहीं होना चाहिए, अपितु अपने को निरापद समझना चाहिए- एतका वा मे इच्छा अंतेषु पापुनेयु लाजा हर्ष इच्छति अनिविगिन हेयू ममियाये अखसेयु च में सुखमेव च हेयू ममते नो दुःख
वस्तुतः यह धम्म विजय का आरंभ था, जो शीघ्र ही ईमानदारी के साथ विश्व में फैल गया।

मिलाई के बीएसपी में नौकरी करत गजाधर प्रसाद रजक जी कला अउ साहित्य बर अपन जीवन ल समर्पित कर दिन। आप कतको कला मंच में बड़े-बड़े नामी कलाकार मन संग अपन कला के प्रस्तुति दे हव। आपके पूरा परिवार संगीत साधक हरे। अखिल भारतीय नृत्य प्रतियोगिता शिमला में आपके टीम ल लगातार तीन बछर ले पहिली ईनाम मिलिस। आपके निवास अभी दुर्ग जिला के उतई रिहिस। अभी कुछ दिन पहिली अपन तन त्याग के स्वर्गवासी होगेव।

कला खातिर अपन जीवन ल समर्पित कर दिन

गजाधर प्रसाद रजक

गजाधर प्रसाद रजक जी के जन्म दुर्ग जिला के हथखोज गांव म होय रिहिस हे। आप भिलाई के बीएसपी में नौकरी करत कला अउ साहित्य बर अपन जीवन ल समर्पित कर देव। बचपन ले ही आप अपन महतारी संग कृष्णलीला, रामलीला, रहस अउ हरि-कीर्तन देख अउ सुने बर जावत रेहेव। आपके बचपना ह बड़ गरीबी म गुजरिस तभो ले संघर्ष करत अपन काम कारज ल बे रोक-टोक आगू बढ़ावत रेहेव। संगीत अउ लेखन म आपके रूचि होगे रिहिस। एक घांव एक झन भिक्षुक ल बेंजो म गावत सुनेव त आपके अंतस ल वो बेरा अउ बाजा के धुन म बेसुध होगेव अउ परन करेव कि महू ह बेंजो बजाके गाहूं। इहें ले बेंजो ल बिसाके गायन अउ वादन में आपके संगीत साधना शुरू होइस ऐ बेरा आपके उमर मात्र बछर के रिहिस हे।

संगीतमय रिहिस जीवन

आप कतको कला मंच में बड़े-बड़े नामी कलाकार मन संग अपन कला के प्रस्तुति दे हव। आप अपन गुरूजी मदन निषाद संग कला के प्रस्तुति में गौरवान्वित महसूस करत रेहेव। मदन निषाद जी आपके कला के तारीफ घलो करत रिहिन हे। दौनापान लोकमंच में मुनिम के रोल म बड़ ख्याति अर्जित करेव। आप बड़ अकन नाटक के लेखन संग मंचन घलो करत रहेव। पहिली नाटक आपके ग्राम पंचायत ल 1964 म लिखे रहेव। अखिल भारतीय नृत्य प्रतियोगिता शिमला में आपके टीम ल लगातार तीन बछर ले पहिली ईनाम मिलिस। आपके लिखे गीत बड़ चर्चित होइस-

पान खई लेबे मोर राजा दुधरू जवान
मोर खाले बीरो पान
जेमा लइची लगांव, पान खई लेबे...
अइसने एक ठन गीत अउ चर्चित होइस-
ऐ चैती सुन ऐती
जाबो उतई के बजार
किसम किसम के खाबो मिठई
अउ ले लेबो खुसियार

आपके पकड़ छत्तीसगढ़ी संग हिन्दी लेखन म घलो रिहिस, आपके लिखे कविता के पंक्ति ल देखन-

कौन कहता है ऐ पत्थर है भगवान नहीं।
सच तो ऐ है आज आदमी में ईमान नहीं।

संगीत साधक परिवार

आपके पूरा परिवार संगीत साधक हरे। आपके बड़े नोनी मालती नर्तक हे वोकर बाद रजनी लोक गायिका संग सुघ्घर उद्घोषक, तीसर हरीश आपके बेटा नर्तक, संगीता नर्तक अउ उपासना अभिनेत्री हवय। येकरे संग आपके गोसइन बिमला अउ दू दमाद सुरेन्द्र संग धर्मेद मन घलो कला संगीत के क्षेत्र म लगे हवयं। सपना नातिक घलो कला के क्षेत्र म हवय। आपके पूरा परिवार देश के कोना-कोना म अपन कला के प्रस्तुति देवत हें। आपके निवास अभी दुर्ग जिला के उतई रिहिस। अभी कुछ दिन पहिली अपन तन त्याग के स्वर्गवासी होगेव। कला जगत आपके अविस्मरणीय योगदान ल कभु नी भुला सकें।

बिहाव गीत म प्रकृति दर्शन के रूप म रुखराई

हमर छत्तीसगढ़ के बर-बिहाव के बाते अलग हे। ये बर-बिहाव म न सिरिफ दू घर-परवार ह ही जुड़थै, भलुक एक सामाजिक बंधन के मजबूत गांठ बंधाथै। मनुख जिनगी के सोलह संस्कार म बिहाव ह एक महत्वपूर्ण अउ अति आवश्यक संस्कार आय। येखर ले एक नवा संसार के सिरजन होथै। बर-बिहाव ह सुख-सोहर के छन आय। आनंद के अनुभूति होथय हमर बर-बिहाव मा। अइसना हमर बिहतरा नेंग-जोग अउ बिहाव गीत म किसिम-किसिम के रुखराई के जिक्र घला होथै। बिहाव के पहिली रसम मँड़व-परघवनी, मँड़वा-छववनी, सजई, मंगरोहन बनई म हमर आंचलिक रुखराई जइसे बांस, कांसी, चिरईजाम, सरई-सइगोना, लीम, डूमर, चार, छिंद, आमा जस रुख के अंस देखे ला मिलथै। गीत के एक बानगी -

सरई-सइगोना के दाई मड़वा छवई ले
लगय पिरीत के धाम
कि ये मोर दाई सीता ल बिहाये राजाराम...

हमर ग्रामीण अंचल म दुल्हिन गाँव म बरात ह बर रुख के छइँया म ठहरथै। गोधूली बेरा म दुल्हा-दुल्हिन के बइठे के बाद मंडप-कलस पूजन होथै। अंगना के लह-लहावत तुलसी वैवाहिक बंधन के साक्छी होथै। सखोचार के नेंग होथय, जेमा हवनलकड़ी के रूप म पाँच प्रकार के सुक्खा काड़ी- आमा,बोईर, फुड़हर, बेल, चिरचिरा के उपयोग होथै। भाँवर म सात ठन सिंघोला जेन ह मुढ़ी, खम्हार या कलमी रूख के लकड़ी ले बनथै। दुल्हिन-बिदाई के बेरा बिदाई गीत होथय ; जेन अंतरात्मा के अवाज होथै। जेमा बर, लीम जइसे रुख के जिक्र होथै-

बर तरी खड़े हे बरतिया
कि लीम तरी खड़े हे कहार...
अइसन सइँया निरदइया
कि चलव चलव कहिथै कहार...

इस्पस्ट हे कि हमर गाँव-देहात के बिहतरा नेंग-जोग अउ गीत म रुखराई के महत्व झलकथै। ये महत्ता झलकत रहय, येकर बर रुखराई के संरक्छन बहुत जरुरी हे। बर-बिहाव मं रुखराई के उपयोगिता पर्यावरन-सुरक्छा के संदेस देथै। आवव, चलव एकक-ठन पेड़ लगावन।

खरदूषण के सेती होईस नाव खरौद

महाराज खड़गदेव ह भूतभर्ता शिव के ऐ मंदिर के जीर्णोद्धार करइन जेहा पहिली मंडप मात्र रिहिस। खड़गदेव शब्द में खड़ग यानि खरग अउ देव के अपभ्रंश औद या ओद होथे। ग वर्ण के लोप होय के सेती खर अउ औद के मिले ले खरौद शब्द बन जथे। ऐ प्रकार ले ऐ गांव अब (नगर) खरौद नाव खड़गदेव शब्द के बिगड़े रूप घलो हो सकत हे।

हमर छत्तीसगढ़ के जुन्ना बेरा जब एकर नाव दंडकारण्य कहाथ रिहिस हे तब शिवरीनारायण क्षेत्र में खरदूषण के राज रिहिस हे, जेनला भगवान श्रीराम के हाथ ले वीरगति मिलिस। इही कारण हो सकत हे ए नगर के नाव खरौद परिस होही। इहां के लक्ष्मणेश्वर लिंग ल घलो लक्ष्मणजी ह स्थापना करे रिहिस। ऐ संबंध में किस्सा बताए जाथे कि- रावण ल मारे के बाद राम अउ लक्ष्मण उपर ब्रम्ह हत्या के आरोप लगाय गे रिहिस। ऋषि मन ह ऐकरे सेती भगवान राम ल रावण ल मारे के पहिली रामेश्वर लिंग स्थापना करके पूजा अर्चना ऐकरे सेती कराय रिहिन कि वोकर उपर ब्रम्ह हत्या के लांक्षण मत लगय। येकर बाद लक्ष्मणेश्वर शिवाभिषेक बर चारो दिशा में बिराजे तीर्थ स्थल म उत्तर में बद्रीनाथ, दक्षिण में रामेश्वर पूर्व में जगन्नाथपुरी पश्चिम में द्वारिकाधाम और बीच में गुप्त तीर्थ शिवरीनारायण ले पवित्र जल एकटठा करके अयोध्या लहुटत रिहिन, तभे खरौद क्षेत्र म वोला क्षय रोग होगे , अउ वोकर नाक ले खून बोहाय लगिस। एकर ले बाचे खातिर वोमन ल इहां महादेव के तपस्या करे ल परगे। तपस्या ले खुश होके भोलेनाथ ह लक्ष्यलिंग के रूप में दर्शन देबर पूजा करे के आदेश दिस। ऐ पूजन के बाद ही भगवान राम ल क्षय रोग अउ ब्रम्ह हत्या के आरोप ले मुकित मिलिस। ऐकर बर आंचलिक कवि तुलाराम गोपाल ह अपन बोली म कहे हें-

लाख लिंगधर लखलेश्वर शंकर शिव औघड़ दानी
निकले भू से शंभू हर हर महादेव वरदानी

खरौद नामकरण के संबंध में लक्ष्मणेश्वर मंदिर के शिलालेख के 30 वां श्लोक म लिखाय हे-

आलोक्यानेन विधु-ललित रलत रासार तारूण्य लक्ष्मी
लक्ष्मीमप्येवमेवं चकितभगदृशां प्रीतिभप्यगंनानाम
कामाय पुनरिह सुकृतैः दृष्ट संसुप्तबोधात

एकर अनुसार महाराज खड़गदेव ह भूतभर्ता शिव के ऐ मंदिर के जीर्णोद्धार करइन जेहा पहिली मंडप मात्र रिहिस। खड़गदेव शब्द में खड़ग यानि खरग अउ देव के अपभ्रंश औद या ओद होथे। ग वर्ण के लोप होय के सेती खर अउ औद के मिले ले खरौद शब्द बन जथे। ऐ प्रकार ले ऐ गांव अब (नगर) खरौद नाव खड़गदेव शब्द के बिगड़े रूप घलो हो सकत हे।

रेगिस्तान के गर्भ में समा गया ये 'भूतिया गांव'

सालों पहले खाली कर चले गए यहां के निवासी

दुबई। कहते हैं कि समय से ज्यादा शक्तिशाली इस दुनिया में कोई भी चीज नहीं है। समय की मार के चलते ही दुनिया के बड़े-बड़े साम्राज्य मिट्टी में मिल गए। हर इंसान या चीज, जिसके लिए समझा जाता था कि वो शाश्वत है, उसे समय ने दिखा दिया कि उससे ज्यादा शाश्वत इस दुनिया में कोई भी चीज नहीं है। ऐसी ही एक जगह यूनाइटेड अरब अमीरात में है। यहां का ये कसबा भूतिया गांव के नाम से जाना जाता है क्योंकि अब यहां कोई नहीं रहता। अल मदाम नाम के इस गांव को धंसा हुआ गांव कहते हैं। वो इसलिए क्योंकि ये रेगिस्तान में समा चुका है। काफी सालों पहले इस गांव में अल कुतबी जनजाति के लोग रहा करते थे। अल मदाम के पास रहने वाली ये 3 प्रमुख जनजातियों में से एक है। ये तो कोई नहीं जानता कि इस गांव में क्या हुआ। क्यों यहां से लोग चले गए और कैसे गांव रेगिस्तान के कब्जे में आ गया। ऐसा माना जाता है कि गांव पर जिन्नों ने हमला

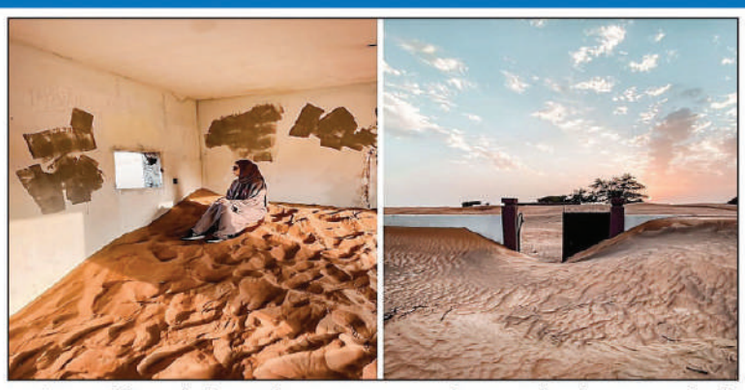

कर दिया। उन्हीं के डर से लोग यहां से भाग गए। दूसरा कारण रेगिस्तान को माना जाता है। कोई नहीं जानता कि लोग यहां से क्यों गए मगर अब कई दशकों से गांव रेगिस्तान के अंदर समाया हुआ और बिल्कुल सुनसान सा है। गांव के अंदर

गांव में लोगों को महसूस हुई है नकारात्मक ऊर्जा

दुबई से सिर्फ 60 किलोमीटर दूर है गांव

यात्रा करने पर आपको कई घर छत तक रेत में धंसे मिलेंगे तो कुछ आधे ढके। उनके अंदर रेत पूरी तरह से घुस गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार जो लोग गांव में गए हैं उन्होंने ये भी दावा किया है कि यहां नकारात्मक ऊर्जा महसूस होती है। एमिरात में साल 1970 और 1980 के दशक में कई प्रोजेक्ट के जरिए घरों को बनाने का काम हुआ। मगर फिर लोग यहां से चले क्यों गए ये आज भी राज है। जो कभी लोगों के बेडरूम और डाइनिंग रूम रहे होंगे, वो आज सिर्फ रेत से कई फीट तक भरे हुए हैं। आपको बता दें कि ये गांव दुबई-हाटा रोड पर स्थित है। दुबई से सिर्फ 60 किलोमीटर और शारजाह से 50 कीलोमीटर इस जगह की दूरी है। टूरिस्ट इस गांव को एक्सप्लोर करने के लिए यहां जाते रहते हैं।

महिला के शरीर में रहते हैं 50-50 लोग

हर घंटे कोई न कोई कर लेता है दिमाग पर कब्जा

नई दिल्ली। आपने लोगों के अंदर भूत-प्रेत आने की तमाम कहानियां सुनी होंगी। कई बार इन्हें भगाने के लिए तंत्र-मंत्र और दूसरी विद्याओं का सहारा लिया जाता है लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि ये एक मानसिक बीमारी भी होती है, जिसमें शरीर पर इंसान का अपना कंट्रोल नहीं रह जाता। मेल लॉज नाम की महिला को ये बीमारी 4 साल की उम्र से है और उनके लिए जिंदगी बेहद मुश्किल हो चुकी है। इस बीमारी को डिसोके टिव आइडेंडिटी डिसऑर्डर कहा जाता है, जो एक मानसिक बीमारी है। मेल लॉज को जब से ये बीमारी हुई, वो अपने ही शरीर में अलग-अलग शख्सियत पाले बैठी हैं। उनके दिमाग में मौजूद अनेक लोगों में से उनके शरीर पर कब, कौन हावी हो जाता है, ये कहना मुश्किल है। उनकी ज़िंदगी किसी भूल-भुलैया की तरह है, जहां उन्हें खुद नहीं पता कि कौन आकर चला जाता है।

50 शख्सियतों का है शरीर पर कब्जा, 2018 में पता चली अनोखी बीमारी

30 साल की बैले टीचर मेल लॉज के अंदर 50 पर्सनालिटीज मौजूद हैं, जिन्हें वो अपने शरीर का हिस्सा मानती हैं। दिन में हर घंटे उनके शरीर पर एक अलग शख्सियत सवार हो जाती है। टिकटॉक पर उन्होंने अपनी कहानी बताते हुए जागरूकता फैलाने की कोशिश की तो लोगों ने उन्हें ही झूठा करार दे दिया है। न्यूजीलैंड के वेलिंगटन की रहने वाली मेल लॉज का कहना है कि फिल्मों में इसे कुछ अलग तरीके से दिखाया जाता है, ऐसे में लोग इस बीमारी को समस्या कम और ड्रामा ज्यादा समझते हैं। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक जब मेल 26 साल की थीं, तब उनकी इस बीमारी को डॉक्टरों ने समझा। उनके थेरेपिस्ट मेल के शरीर में मौजूद ज्यादातर पर्सनालिटीज से मिल चुके हैं। थेरेपी के दौरान ही उन्हें पता चला कि उन पर कुल 50 शख्सियतें सवार होती हैं, जो उनके थेरेपिस्ट से बात भी करती हैं। मायो क्लिनिक के मुताबिक इंसान के मस्तिष्क में दो या और भी ज्यादा पर्सनालिटी मौजूद होती हैं, जो वक्त-वक्त पर हावी होती रहती हैं।

400 साल से समंदर में भटक रहा श्रापित जहाज

इसका रहस्य जानकर रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में असंख्य रहस्य छिपे हुए हैं। कुछ के बारे में तो इंसान को पता चल गया लेकिन कुछ के बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया। आप हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं। जो एक शिप यानी पानी के जहाज से जुड़ा हुआ है। इस शिप का नाम है फ्लाइंग डचमैन शिप। इस शिप को पूरी दुनिया में भूतिया जहाज के रूप में देखा जाता है। इस शिप को लेकर ऐसी मान्यता है कि ये भूतिया जहाज पिछले 400 सालों से श्रापित होकर समुद्रों में भटक रहा है। इस श्रापित जहाज को लेकर कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं। जिसके चलते ये हमेशा चर्चा में बना रहता है। इस जहाज को देखना काफी अपशकुन माना गया है।

ऐसा माना जाता है कि अगर किसी व्यक्ति ने इसे समुद्र में देख लिया तो वो और उसका जहाज पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। इसके साथ ही इस श्रापित जहाज को लेकर दुनियाभर में कई टेलीविजन शो और फिल्में भी बन चुकी हैं। साथ ही कई लोग फ्लाइंग डचमैन शिप को देखने का दावा भी कर चुके हैं। हालांकि उनके दावे में कितनी सच्चाई है ये कोई नहीं जान पाया। बता दें कि 20वीं सदी के मशहूर लेखक रनिकोलस मॉन्सर्रेट ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान प्रशांत महासागर में इसे देखने का दावा किया था। फ्लाइंग डचमैन शिप को लेकर विभिन्न धारणाएं और मान्यताएं भी हैं। इस शिप लेकर एक आम धारणा है कि ये एक वैसल था। इस जहाज के कैप्टन हेनरीक वैन द डेक्कन थे। उन्हें डचमैन के नाम से भी जाना जाता था। कहा जाता है कि 1641 में जहाज के कैप्टन हेनरीक वेन हॉलैंड से अपने जहाज के साथ ईस्ट इंडीज की तरफ निकले थे। हालांकि यात्रा के बाद जब वो अपने यात्रियों के साथ हॉलैंड की तरफ वापस आने लगे, तो उन्होंने रास्ते में कुछ बदलाव किया। उन्होंने अपने वेसल को कैप ऑफ गुड हॉप की ओर मोड़ने का निर्देश दिया। कैप्टन के इस निर्णय से जहाज में बैठे यात्री काफी नाखुश हुए क्योंकि उन्हें जल्दी अपने घर पहुंचना था। आगे रास्ते में जहाज का सामना एक भयंकर तूफान से हो गया। इस तूफान में जहाज पूरी तरह तबाह हो गया। इस त्रासदी में जहाज पर सवार सभी यात्री मारे गए। कहा जाता है कि मरते मरते जहाज के सभी यात्रियों ने बद्दुआ देकर इस जहाज को श्रापित कर दिया। तभी से ये भूतिया जहाज समुद्र में भटक रहा है। हालांकि फ्लाइंग डचमैन शिप के रहस्य से अब तक पर्दा नहीं उठ पाया है। इस शिप को देखने का दावा करने बाद भी इसका रहस्य आज भी बरकरार है क्योंकि इसके बारे में आज तक कोई ठोस सबूत किसी को नहीं मिला।

जंगल में घुसने से पहले सावधान

आंखों पर बहुत जोर डालने पर ही दिखेंगे जमीन पर छुपे जानलेवा खतरनाक सांप

नई दिल्ली। आंखों के सामने सबकुछ होकर भी नजर न आ पाए। खतरनाक होते हुए भी खतरे का एहसास न होने पाए, ऐसी परिस्थिति को ही है दृष्टि भ्रम की श्रेणी कहा जाता है। और उन तस्वीरों को दृष्टि भ्रमित करने वाली छवि जो आंखों के भ्रम के चलते दिमाग को भी सही काम नहीं करने देती। लेकिन एक तरह से दिमाग हमारी आंखो से ही संचालित होता है न। आंखें जो देखती हैं दिमाग वहीं समझता है। इसीलिए जब आंखें ही खतरे को न देख पाए तो दिमाग पर जोर डालने का भी क्या फायदा। ब्यूटीसाल की ओर से सोशल मीडिया पर एक ऐसी ही तस्वीर शेयर की गई है जिसमें एक नहीं कई जीव है मगर नजर एक भी नहीं आता। तस्वीर किसी जंगल या किसी बड़े बाग-बगीचे जैसी लग रही है जहां खूब सारे सूखे पत्ते और लकड़ियों के बीच कुछ खतरनाक जानवर छुपे हैं। अब चुनौती ये है कि आप उन्हें खोज पाते हैं कि नहीं।

ब्यूटीयाल ने रेडिट पर जो तस्वार साझा की है उसमें ये दावा भी किया है कि एक नहीं बल्कि कई घातक जानवर छुपे हुए हैं। और यूजर्स को उन्हीं में से कुछ को तलाशने की चुनौती दी गई है। हालांकि दावा तो 7 से 8 जानवरों के देखने का किया जा रहा है। लेकिन शायद कोई इतने जीवों की छवि तलाश कर पाएगा। कुछ यूजर्स ने 4 से 5 जानवरों को देखने का दावा किया है। जहांधैर्य के साथ आंखों पर काफी जोर और वक्त देने पर सूखे पेड़ की डालियों के पास खतरनाक मोटे सांप देखे जा सकते हैं। तस्वीर में ऊपर की ओर बाएं तरफ एक हल्के भूरे और काले चकत्तों वाला बड़ा सा सांप दिख रहा है। तो वहीं निचली तरफ थोड़ा दाएं पेड़ की सूखी डाली के बीच काले चकत्ते के साथ एक ग्रे सांप जैसी छवि भी नजर आ रही है। ग्रे सांप के से सटे ही एक गोल्डेन और क्रीम कलर की बॉडी वाला सांप भी है। दोनों एक दूसरे से सटे हुए हैं। निचली तरफ सबसे बाएं भी एक सांप का थोड़ा सा शरीर नजर आ रहा है। सबसे बाएं भी पेड़ की शाखा की छाया की नीचे एक स्नेक देखा जा सकता है। बस नजरों पर जोर बनाए रखिए। कई यूजर्स ऐसे भी हैं जिन्हें एक भी जीव-जन्तु नजर नहीं आया। कुछ तो मजाक भी करने लगे की बिना किसी जानवर को देखे भी वो मरने वाले हैं। एक अन्य यूजर का कहना है कि उसे सांप दिखाई तो दे रहा है लेकिन वो उन्हें पहचान नहीं सकता। वो उनके बारे में केवल इतना जानते हैं कि उन्हें ऐसी जगह से भाग जाना चाहिए।

भारतीय सिनेमा

सिनेमा की दुनिया में योगदान के लिए नवाजुद्दीन को मिला अवॉर्ड

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जिन्हें बहुमुखी प्रतिभा के मालिक के रूप में जाना जाता है, वह दुनिया के सबसे नोटेबल और प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक हैं। नवाज को न सिर्फ उनके क्रिएटिव इंटेलिजेंस के लिए उनके ही देश में सराहना की जा रही है, बल्कि उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सम्मानित किया जा रहा है।हाल ही में, नवाजुद्दीन सिद्दीकी को एमी अवॉर्ड विजेता अमेरिकी अभिनेता और निमार्ता विंसेंट डी पॉल के हाथों प्रतिष्ठित फ्रेंच रिवेरा फिल्म फेस्टिवल में सिनेमा में उत्कृष्टता के लिए एक अवॉर्ड मिला है। स्टार के जीवन में यह क्षण उनके काम में और ज्यादा क्रेडिबिलिटी जोड़ता है और भारत को गौरवान्वित करता है। हालाकि, यह पहली बार नहीं है, नवाजुद्दीन सिद्दीकी सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड्स लेकर आने वाले अभिनेता हैं।इससे पहले

एक्टर को कान्स फिल्म फेस्टिवल में राष्ट्र की ओर से अवॉर्ड प्राप्त करने के लिए प्रतिनिधियों में से एक के रूप में चुना गया था।नवाजुद्दीन सिद्दीकी फिल्म इंडस्ट्री के उन लोकप्रिय स्टार्स में से एक है जिन्होंने फ्रेंच रिवेरा फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए और दुनिया भर के कलाकारों के साथ गर्मजोशी से गले मिलते और मुस्कुराते हुए देखे गए। एक तस्वीर में, नवाज को फेमस तुर्की अभिनेता कैंसेल एलसिन को गले लगाते हुए देखा जा सकता है। एक दूसरी तस्वीर में, नवाजुद्दीन स्क्रीन इंटरनेशनल के संपादक निगेल डेली और कई अवॉर्ड विनिंग पोलिश निर्देशक जारोस्लाव मार्सजेवस्की के साथ बातचीत करते दिखाई दे रहें है।इस मौके पर उन्हें निगेल डेली, जारोस्लाव मार्सजेवस्की, विंसेंट डी पॉल, कैंसेल एलसिन और गाइल्स मारिनी जैसी दुनिया की प्रसिद्ध हस्तियों के साथ अच्छा समय बिताते हुए देखा गया। इस बीच, काम के मोर्चे पर, नवाज के पास फिल्मों की एक दिलचस्प लाइनअप है जिसमें 'टिकू वेड्स शेरू', 'नूरानी चेहरा' और 'अद्भुत' का नाम शामिल है।

'मैडम सर' के महिला पुलिस थाने के नये पुरुष एसएचओ बने

इंदौर। सोनी सब के मैडम सर में एक नये एसएचओ शामिल होने जा रहे हैं। डीएसपी ने पहली बार किसी पुरुष अधिकारी को महिला पुलिस थाने में भेजा है। वैसे तो हमारी चहेती महिला ऑफिसर्स, एसएचओ हसीना मलिक (गुल्की जोशी), इंस्पेक्टर करिश्मा सिंह (युक्ति कपूर), संतोष (भाविका शर्मा) और कॉन्स्टेबल पुष्पा सिंह (सोनाली नाईक), अपनी बुद्धि और जज्बात का इस्तेमाल कर मामलों को बखूबी सुलझा रही हैं। ये सभी चारों ओर धमाके करती और अपराध की दर को कम करने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन दर्शक महिला पुलिस थाने मे एक नये पुरुष एसएचओ अमर विद्रोही (सवि ठाकुर) और उनकी टीम से नये धमाकों की उम्मीद कर सकते हैं। इन सब चीजों का पता लगाने और अपने तरीके से यहां चीजों को ठीक करने के लिये, एसएचओ अमर के पास पूरा अनुभव है, अपराधियों को सलाखों के पीछे डालने की चाहत के साथ उसमें न्याय की गहरी समझ है। ऐसी अफवाह है कि उसे जिस भी क्षेत्र में भेजा जाता है, वहां अपराधी डर के मारे आत्मसर्पण कर देते हैं और अंततः ह्यरामराज्यह्ल आ जाता है। जब से महिला थाना बना है, हसीना उसकी बागडोर संभाल रही है, लेकिन अब यह साफ नजर आ रहा है कि नये एसएचओ के आने से भूचाल आ गया है।

इसकी वजह से नये समीकरण बन रहे हैं और उसके साथ नई समस्याएं खड़ी हो रही हैं। इस बदलते परिवेश में, एक बात तो तय है कि : एसएचओ अमर विद्रोही, निश्चित रूप से पुलिस स्टेशन में तूफान का कारण बनने वाला है। उसके आने से झामे का तड़का थोड़ा और बढ़ने वाला है, क्योंकि पूरी टीम मिलकर अजीबोगरीब मामलों को मिलकर सुलझाएगी।

कलाकारों ने अपने अंदाज में मनाया उपलब्धि का जश्न!

इंदौर। सोनी सब के शो मैडम सर ने सफलतापूर्वक 500 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। यही वह समय है कि भारत की सबसे चहेती महिला पुलिस अधिकारियों के लिये हम सब जमकर ताली बजाएं। दो साल पहले अपने लॉन्च के बाद से ही, इस शो ने महिलाओं के नेतृत्व वाले मजबूत किरदारों और सोच-विचार कर बनाई गई कहानियों एवं प्लॉट के साथ दर्शकों को काफी लुभाया है। इस शो में एसएचओ हसीना मलिक (गुल्की जोशी), करिश्मा सिंह (युक्ति कपूर), संतोष (भाविका शर्मा), पुष्पा सिंह (सोनाली नाईक) और गीता वतुर्वेदी (प्रियांशु सिंह) मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं। शो में बड़े आत्मविश्वास और बेहतरीन तरीके से एक महिला पुलिस थाने को संभालने में रोजाना आने वाली चुनौतियाँ दिखाई गई हैं। इसके किरदारों ने अजीब से अजीब मामलों को पूरे जज्बात के साथ और सबसे अभिनव तरीकों से सुलझाया है। पिछले 500 एपिसोड्स में मैडम सर ने अनगिनत सामयिक विषयों और निजी अनुभवों को छुआ है, जो ऐसी लड़कियों के लिये प्रेरक हैं, जिन्हें अपने काम में महारथ पाने और उसे सहजता से करने की आकांक्षा है। महिला सशक्तिकरण से लेकर, दबंगई, सामाजिक रूढ़ियों, मानसिक स्वास्थ्य, आदि तक इस शो ने प्रासंगिक मुद्दों को ऐसी कहानियों के जरिए दिखाया है जोकि एक सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण असर पैदा करने के लिए समाधान प्रदान करती हैं। आज हासिल हुई उपलब्धि के साथ ह्यमैडम सरह्ल नये रास्तों पर बढ़ने के लिये तैयार है, और यह दर्शकों को बांधकर रखने की कोशिश करता रहेगा। करिश्मा सिंह की भूमिका निभा रहीं युक्ति कपूर ने कहा, मैं 500 शानदार एपिसोड्स पूरे होने पर पूरे दिल से हमारी टीम को बधाई देना चाहती हूँ। यह उपलब्धि हासिल करने का अनुभव सपने जैसा लग रहा है और यह हमारी उस कड़ी मेहनत को दिखाता है, जो इस कहानी को पर्दे पर जीवंत करने में लगी है। इस शो ने हमें एक्टर के तौर पर कई बारीकियाँ जानने का मौका दिया और इसके नेरेटिव भी आधुनिक समय के हैं। ऐसे बेहतरीन कलाकारों और क्रू के साथ काम करना मैं अपना सौभाग्य मानती हूँ, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया। मैं ऐसी और भी उपलब्धियों की कामना करती हूँ।

बिकिनी पहन पानी में अठखेलियां करती दिखीं मलाइका

मुंबई। 48 वर्षीय मलाइका अपनी फिटनेस से आज की अदाकाराओं को भी पीछे छोड़ती दिखती हैं। इसके लिए वह खूब मेहनत भी करती हैं। जब वह वर्कआउट करने के लिए जाती है तो अक्सर उन्हें पपराजी द्वारा स्पॉट किया जाता है। कमाल की फिटिनेस की मालकिन मलाइका ने अब अपनी टोन्ड फिगर को फ्लॉन्ट किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों का कोलाज शेयर किया है जिसमें वह पानी में अठखेलियां करती दिख रही हैं। मलाइका ने इन पोस्ट के साथ लोकेशन नहीं बताया है। मलाइका ने ब्लैक प्रिंटेड बिकिनी पहनी है। पहली तस्वीर में वह समंदर में तैरती दिख रही हैं। उन्होंने हाथ से हार्ट का शेप बनाया। तो दूसरी फोटो में साइड एंगल है। अन्य तस्वीरों में वह मस्ती करती नजर आ रही हैं। इसके साथ मलाइका ने कैप्शन में लिखा, एक बीच बेबी हूं। मलाइका के इस पोस्ट को अर्जुन कपूर, कियारा आडवाणी और मनीष मल्होत्रा ने लाइक किया है। बॉलीवुड में इस साल कटरीना कैफ-विकी कौशल और आलिया भट्ट-रणबीर कपूर शादी के बंधन में बंधे हैं। इस बीच एक बार फिर से मलाइका की शादी की चर्चा होने लगी। ऐसी खबरें हैं कि मलाइका और अर्जुन इस साल के आखिर तक शादी कर लेंगे। दोनों करीब चार साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। ऐसे में यह कपल अपने रिश्ते को एक नया नाम देने के लिए तैयार है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि मलाइका और अर्जुन नवंबर या दिसंबर में शादी कर सकते हैं। शादी निजी तरीके से होगी। जहां करीबी लोग ही शामिल रहेंगे। अभी तक कपल की ओर से इस पर जानकारी सामने नहीं आई है।

हंसगुल्ले

गप्पू: क्या हुआ भाई, क्यों परेशान हो? पप्पू: यार पता नहीं वे कौन से लोग हैं जिनके सपनों में राजकुमारी या हसीनाएं आती हैं। मेरे सपनों में तो मैं कभी मर जाता हूं, कभी गहरी खाई में गिर जाता हूं, कभी मुझे भूत उठा ले जाते हैं।

डॉक्टर: आपने आने में देर कर दी। मरीज: क्या हुआ डॉक्टर साहब, कितना वक्त बचा है मेरे पास? डॉक्टर: मर नहीं रहे हो, 6 बजे का अपॉइंटमेंट था और तुम 7 बजे आए हो।

अगर हर बार गर्लफ्रेंड का नंबर बिजी सुनने को मिल रहा है तो समझ जाएं कि.....आपका बाबू किसी और के काबू में है।

शादी से पहले पप्पू ने गर्लफ्रेंड से वादा किया कि मैं तुम्हें चांद तारे दूंगा.....शादी के बाद एक लड़का हो गया। पप्पू ने उसका नाम ताराचंद रख दिया।

कभी देखा है ऐसा भयानक रेलवे ट्रैक

1902 से चल रही है अनोखी रेल, जहां पटरी के ऊपर नहीं नीचे लटककर चलती है ट्रेन!

नई दिल्ली। आपने अपनी जिंदगी में तरह-तरह की ट्रेन के बारे में सुना होगा और हर किसी की अपनी खासियत होती है। कोई पहाड़ों पर चलने वाली ट्रेन होती है, जिसकी रफ्तार काफी कम हो, कुछ सुपरफास्ट ट्रेन होती हैं, जो मिनटों में रफ्तार पकड़ लेती हैं तो कुछ पैसेंजर ट्रेन, जो घंटों लगा देती हैं। आज हम आपको इन सबसे अलग हैंगिंग ट्रेन के बारे में बताते हैं, ये ट्रेन रेलवे ट्रैक के ऊपर नहीं बल्कि नीचे लटककर चलती है।

ट्रेन की तस्वीरें देखकर ही आप डर जाएंगे, लेकिन इसमें सफर करने वाले लोगों को इससे जरा भी डर नहीं लगता। ये खूबसूरत नजारों को दिखाती हुई रफ्तार में चलती है। ये ट्रेन न सिर्फ जर्मनी के वप्पर्टल के सुंदर दृश्य को बल्कि लटकती हुई ट्रेन में सफर करने को भी यादगार बनाती है। दुनिया भर से हजारों-लाखों लोग यहां सिर्फ और सिर्फ ये अनोखा सफर करने और उल्टी-पुल्टी ट्रेन

देखने के लिए ही पहुंचते हैं।

इस ट्रेन के इतिहास के मुताबिक ये कोई 21वीं सदी की बात नहीं है, लटककर चलने वाली अनोखी ट्रेन को अब से सदी भर पहले साल 1901 में शुरू किया गया था। ट्रेन का रूट बनाने से पहले ही शहर इतना डेवलेप हो चुका था कि ट्रैक बिछाने की जगह ही नहीं बची थी। तभी ट्रैक को ऊपर लगाकर हवा में लटकती हुई ट्रेन चलाने का आइडिया आया। जो नजारा देखने में किसी साइंस फिक्शन से निकला हुआ लग रहा है, ये 120 साल से यहां के लोग देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस अनोखे रेलवे के वीडियो और तस्वीरें अलग-अलग

प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जाते रहे हैं। 13.3 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन को मोनरेल भी कहा जाता है। ये एक फिक्स्ड ट्रैक पर सड़कों से ऊपर होती हुई गुजरती है। नदी, रास्ते, झरने और दूसरी चीजों को क्रॉस करती हुई ये ट्रेन लटके-लटके ही सफर पूरा कराती है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी के अलावा दुनिया में सिर्फ जापान ऐसा देश है, जहां सस्पेंशन रेलवे पाया जाता है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि ये ट्रैक 121 साल से ऑपरेशनल है। ट्रेन से रोजाना 82 हजार लोग सवारी करते हैं।

...मौत के मुंह में जीते हैं और कहलाते हैं 'खतरों के खिलाड़ी'

ब्रिसबेन। दुनिया में ऐसे कई लोग होते हैं जिनमें अपने काम को लेकर गजब का जज्बा होता है। अपने इस जज्बे के लिए ये लोग मौत के मुंह में भी काम करने को तैयार होते हैं। ऐसे ही एक शख्स के बारे में आज आपको बताने जा रहे हैं। 36 साल के माउंट इजेन पिछले 10 सालों से जावा के सक्रिय ज्वालामुखी के मुख पर काम करते हैं। इजेन एक माइनर हैं। और कई सालों से यहां सल्फेट की खान में काम कर रहे हैं। 'डर के आगे जीत है' वाले स्लोगन को सच करने वाले इजेन का कहना है कि अब ऐसा लगता है 'यहीं मेरा घर है। यहां पर मुझे सुकून मिलता है। मैं पिछले कई सालों से यहां काम कर रहा हूं।' इजेन ने इस खतरनाक ज्वालामुखी के आस-पास अपनी दुनिया बना ली है। ज्वालामुखी से कुछ दूरी पर इजेन ने एक अपना रेस्टोरेंट भी खोला है इसमें इजेन खुद ही खाना बनाते हैं। जब ज्वालामुखी शांत रहता है तो यहां पर कई टूरिस्ट भी आते रहते हैं। फोटोग्राफर्स का तो यहां आना जाना लगा रहता है। इससे इजेन का रेस्टोरेंट भी चलता रहता है।जावा का ये सक्रिय ज्वालामुखी कब फट जाए इस बात की कोई जानकारी नहीं होती है। गर्म लावा, धुंआ और कई हानिकारक गैस यहां पर कई बीमारियों को बुलाता है। लेकिन इजेन अपनी मेहनत से यहां काम करते हैं और सल्फेट के खानों से सल्फेट निकालते हैं। यहां से कुछ ही दूरी पर इजेन का अपना घर और परिवार भी है। जिसमें उसकी पत्नी और एक बेटा रहता है। इजेन ने घर के पास अपनी खेती भी की हुई है। ज्वालामुखी से निकलने वाली मिट्टी बहुत उपजाऊ होती है इसलिए इजेन वहां की मिट्टी को अपने खेतों में यूज करता है जिससे अच्छी फसल भी होती है। फसल से ही इजेन का घर आसानी से चल सकता है लेकिन इजेन अपने खतरे से भरे माइनिंग के काम को नहीं छोड़ना चाहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिटमैक्स ने स्पॉट एक्सचेंज लॉन्च किया

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में से एक, बिटमैक्स ने खुदरा और संस्थागत व्यापारियों के लिए बिटमैक्स स्पॉट एक्सचेंज के शुभारंभ की घोषणा की है। कंपनी ने इसकी शुरुआत ऐसे मौके पर की है जब कंपनी अपने डेरिवेटिव ऑफर की सफलता के बाद शीर्ष दस वैश्विक स्पॉट एक्सचेंज में अपना स्थान बनाना चाहती है। बिटकॉइन (एक्सबीटी), एथेरियम (ईटीएच), चैनिलंग (एलआईएनके), यूपिस्वेप (यूएनआई), पॉलीगन (एमएटीआईसी), एक्जी इन्फिनिटी (एएक्सस), ऐपकॉइन (एपीई) सहित सभी टेथर (यूएसडीटी) के खिलाफ सात जोड़ी क्रिप्टोकरेंसी का समर्थन करता है। अभी उपयोगकर्ता सेंट्रल लिमिट ऑर्डर बुक्स के माध्यम से कॉइन कन्वर्जन रिक्वेस्ट्स-फॉर-कोट्स रखकर और एपीआई ट्रेडिंग का लाभ उठाकर स्पॉट तक पहुंचने में सक्षम है।

सैफ अली खान होंगे सर्वोकोन ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। भारत के साथ विश्व की जानी मानी सर्वो स्टेबलाइजर और ट्रांसफार्मर निर्माण कंपनी सर्वोकोन ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। सैफ अब इस सर्वोकोन का नया चेहरा होंगे और इसके प्रचार में सक्रिय रूप से दिखाई देंगे। सर्वोकोन के इस कदम को उनकी एक बड़ी और उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है। सैफ अली खान के सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में लाखों करोड़ों चाहने वाले है और ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनकी उपस्थिति कंपनी को सफलता की नयी ऊँचाइयो पर ले जाएगी। सर्वोकोन सर्वो स्टेबलाइजर और ट्रांसफॉर्मर निर्माण उद्योग में एक जाना माना नाम है।

JSW एनर्जी पूंजी जुटाएगी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी इक्विटी शेयरों, बांडों और ऐसी अन्य प्रतिभूतियों के जरिए 5,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। यह मंजूरी 14 जून को होने वाली वार्षिक आम सभा के दौरान ली जाएगी। वार्षिक आम सभा (एजीएम) के नोटिस के अनुसार यह प्रस्ताव पारित हो जाने के बाद कंपनी के निदेशक मंडल 5,000 करोड़ रुपए या किसी भी विदेशी मुद्रा में इसके बराबर राशि जुटाने के लिए प्रतिभूतियां जारी कर सकेंगे। इस राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों की दीर्घकालिक पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

डेल्हीवेरी के शेयर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। आपूर्ति श्रृंखला कंपनी डेल्हीवरी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 487 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले लगभग दो प्रतिशत प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 1.23 फीसद की बढ़त के साथ 493 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में यह 7.62 फीसद उछलकर 524.15 रुपए पर पहुंच गया। एनएसई में इसने 1.68 फीसद की बढ़त के साथ 495.20 रुपए के भाव पर शुरुआत की। इस महीने की शुरुआत में डेल्हीवरी के आईपीओ को 1.63 गुना अभिदान मिला था।

बीओआई को दोगुना मुनाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ इंडिया (बीओआई) ने मंगलवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक बढ़कर 606 करोड़ रुपए हो गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बीओआई ने 250 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक की एकल आय 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 11,443.46 करोड़ रुपए हो गई, जो इससे एक साल पहले की समान अवधि में 11,155.53 करोड़ रुपए थी। बीओआई ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी।(एजेंसी)

आठ प्रमुख शहरों में घरों के दाम 11 फीसद तक बढ़े

■ मांग व निर्माण लागत बढ़ने से चढ़े हैं दाम ■ दिल्ली-एनसीआर में ज्यादा बढ़े हैं दाम ■ चेन्नई, मुंबई व बेंगलुरु में 1% बढ़े दाम

नई दिल्ली (भाषा)।

देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान आवासीय इकाइयों की कीमतों में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान मांग बढ़ने और निर्माण लागत में तीव्र बढ़ोतरी से घरों की कीमतें बढ़ीं।

रियल एस्टेट डेवलपरों के संगठन क्रेडाई, रियल एस्टेट सलाहकार फर्म कोलियर्स और डेटा विश्लेषक फर्म लियासे फोरस की एक साझा रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। इन तीनों ने मिलकर पहली बार घरों की कीमतों पर निगरानी रखने संबंधी रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर के इलाके में सबसे ज्यादा 11 प्रतिशत कीमतें बढ़ी और जनवरी-मार्च तिमाही में आवासीय इकाइयों की कीमत 7,363 रुपए प्रति वर्ग फुट तक पहुंच गई। हैदराबाद में एक साल पहले की तुलना में जनवरी-मार्च, 2022 की अवधि में आवासीय इकाइयों की कीमत नौ प्रतिशत बढ़कर 9,232 रुपए प्रति वर्ग फुट पहुंच गई। इस तिमाही में अहमदाबाद में कीमतें आठ प्रतिशत बढ़कर 5,721 रुपए प्रति वर्ग फुट और कोलकाता में छह प्रतिशत बढ़कर 6,245 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गईं। हालांकि बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई महानगर क्षेत्र में घरों की कीमतों में

सिर्फ एक प्रतिशत की ही बढ़ोतरी देखी गई। इन तीनों रियल एस्टेट बाजारों में आवासीय इकाइयों की कीमत क्रमशः 7,595 रुपए, 7,107 रुपए और 19,557 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गई। पुणे में घरों की कीमत में एक साल पहले की तुलना में तीन प्रतिशत की तेजी देखी गई।

क्रेडाई, कोलियर्स एवं लियासे फोरस ने एक साझा बयान में कहा, 'अधिकांश शहरों में घरों की मांग में तेजी आई है। इसके अलावा पिछले दो साल से निर्माण सामग्रियों के भाव भी आसमान छूने लगे हैं। इसकी वजह से सालाना आधार पर घरों के दाम सभी आठों शहरों में कोविड-पूर्व स्तर से आगे निकल चुके है।'

कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रमेश नायर ने अगली दो-तीन तिमाहियों में घरों की कीमत में अभी 5-10 प्रतिशत की और बढ़ोतरी का अनुमान जताया है।' लियासे फोरस के प्रबंध निदेशक पंकज कपूर ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में नई आवासीय परियोजनाओं की शुरुआत महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच गई।

क्रेडाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन पटोदिया ने उम्मीद जताई कि सरकार की तरफ से इस्पात के कच्चे माल पर लगाई गई बंदिशों से निर्माण लागत में आने वाली कमी का फायदा अपने इस्तेमाल के लिए घर खरीदने वालों को भी पहुंचाया जाएगा।

कोयला उत्पादन बढ़ाने के सभी प्रयास जारी

नई दिल्ली (भाषा)।

कोयला मंत्रालय ने कहा कि कोयले की आपूर्ति व उत्पादन बढ़ाने के लिए सभी प्रयास जारी हैं और मई पहले पखवाड़े में सूखे ईंधन का उत्पादन 36 प्रतिशत बढ़ गया है।

मंत्रालय की तरफ से यह बयान देश के कई बिजली संयंत्रों में कोयले की किल्लत के बीच आया है। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा, 'मई, 2022 के पहले पखवाड़े में कोयले का कुल उत्पादन सालाना आधार पर 36.23 प्रतिशत बढ़कर 3.39 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में 2.49 करोड़ टन था।' इसके अलावा कोयले की आपूर्ति भी मई, 2022 के पहले पखवाड़े में सालाना आधार पर 15.87 प्रतिशत बढ़कर 3.72 करोड़ टन हो गई है।

विश्व आर्थिक मंच की बैठक

घरेलू कंपनियों में विश्वास के मामले में भारत शीर्ष पर

दावोस (भाषा)। एक नए वैश्विक अध्ययन में यह बताया गया कि भारतीय कंपनियां घरेलू आबादी में सबसे भरोसेमंद बनकर उभरी हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर चीन, तीसरे पर कनाडा, फिर अमेरिका और पांचवें पायदान पर ब्रिटेन आता है। वर्ल्ड इकोनामिक फोरम की वार्षिक बैठक के मौके पर जारी एडेलमैन के ट्रस्ट बैरोमीटर की विशेष रिपोर्ट 'द जियोपालिटिकल बिजनेस' (भूराजनीतिक व्यवसाय) के अनुसार अब व्यापार में विश्वास के लिए भूराजनीति महत्वपूर्ण हो गई है। रूस-यूक्रेन सैन्य संघर्ष के बाद रूस से कंपनियों ने बाहर निकलने की एक मिसाल कायम की है। अध्ययन में, 10 में से छह उत्तरदाताओं का कहना है कि भूराजनीति एक व्यावसायिक प्राथमिकता है।

अध्ययन के मुताबिक, ऐसे समय में जब दुनिया के सामने भूराजनीतिक संघर्ष, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु खतरों और सामाजिक असमानताओं की चुनौती हैं, तो कंपनियों पर भी रूसी आक्रमण का जवाब देने के लिए दबाव है। अध्ययन में लगभग आधे उत्तरदाताओं यानी 47 प्रतिशत ने यूक्रेन पर आक्रमण के प्रति मूल कंपनी की प्रतिक्रिया के आधार पर ब्रांडों को खरीदा या उनका बहिष्कार किया है।

टूर एंड टूरिज्म इंडेक्स में द. एशियाई देशों में शीर्ष पर है भारत

दावोस (भाषा)। भारत वैश्विक यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में फिसलकर 54वें स्थान पर आ गया है। हालांकि, दक्षिण एशियाई देशों में यह अब भी शीर्ष पर है। देश इस सूचकांक में 2019 में 46वें स्थान पर था। वैश्विक सूची में जापान शीर्ष पर है। उसके बाद क्रमशः अमेरिका, स्पेन, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर और इटली का स्थान है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के दो साल पर जारी होने वाले यात्रा और पर्यटन क्षेत्र पर अध्ययन से यह भी पता चलता है कि यह क्षेत्र महामारी संकट से उबर रहा है। लेकिन पुनरुद्धार अभी असंतुलित है और चुनौतियां बनी हुई हैं। यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में 117 अर्थव्यवस्थाओं का आकलन किया गया है। विश्व आर्थिक मंच में विमानन, यात्रा और पर्यटन मामलों के प्रमुख लॉरेन अर्पिक ने कहा, 'कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए लगाई गर्स पाबंदियों ने अर्थव्यवस्थाओं में यात्रा और पर्यटन के महत्वपूर्ण योगदान को फिर से रेखांकित किया है।'

'विभाजन' और 'ध्रुवीकरण' बढ़ने से वृद्धि की नींव को हुआ नुकसान

■ विश्व बैंक के पूर्व अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कहा, देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी की

■ 24 फीसद के उच्च स्तर पर पहुंची बेरोजगारी दर ■ दुनिया में सबसे ज्यादा है देश की बेरोजगारी दर

नई दिल्ली (भाषा)।

विश्व बैंक के पूर्व अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने मंगलवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद हालांकि मजबूत है, लेकिन 'विभाजन' और 'ध्रुवीकरण' बढ़ने से देश की वृद्धि की 'नींव' को नुकसान पहुंच रहा है। बसु ने यह भी कहा कि भारत की बड़ी चुनौती बेरोजगारी है। देश में बेरोजगारी 24 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। उन्होंने एक बातचीत में कहा, 'किसी देश की वृद्धि अकेले आर्थिक नीति पर निर्भर नहीं करती। इस बात के काफी प्रमाण है कि किसी राष्ट्र की आर्थिक सफलता का एक महत्वपूर्ण कारक लोगों के बीच भरोसा है।' जाने-माने अर्थशास्त्री ने कहा, 'भारतीय समाज में विभाजन और ध्रुवीकरण बढ़ रहा है। यह न केवल अपने-आप में दुखद है बल्कि यह देश की वृद्धि की बुनियाद को भी नुकसान पहुंचा रहा है।'

बसु के अनुसार, एक बड़े उद्यमी वर्ग, अधिक कुशल कामगार और जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के अनुपात में उच्च निवेश की वजह से भारत की नींव मजबूत है। हालांकि, कुशल श्रमिकों की संख्या पिछले कुछ साल से घट रही है। उच्च मुद्रास्फीति को लेकर एक सवाल के जवाब में बसु ने कहा कि भारत में महंगाई की ऊंची दर का कारण वैश्विक है। यह कोविड-19 महामारी और यूक्रेन में युद्ध के कारण उत्पन्न आपूर्ति व्यवस्था की बाधाओं का नतीजा है।

उन्होंने कहा, 'हालांकि, मुद्रास्फीति का कारण भारत के नियंत्रण से बाहर है। लेकिन मेरे लिए चिंता की बात यह है कि हम गरीबों और मध्यम वर्ग को इससे बचाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे है।' फिलहाल अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर बसु ने कहा कि हालांकि खुदरा मुद्रास्फीति इस साल फरवरी में बढ़कर आठ साल के उच्चस्तर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है, लेकिन थोक कीमत आधारित महंगाई दर 15.08 प्रतिशत पर है।

उन्होंने कहा, 'हमने पिछले 24 साल में इतनी ऊंची थोक महंगाई दर नहीं देखी है। अभी जो हो रहा है वह 1990 के दशक के उत्तरार्ध की स्थिति की याद दिलाता है। उस समय पूर्वी एशियाई संकट का असर भारत में होने लगा था।' बसु ने कहा कि थोक मुद्रास्फीति पिछले 13 महीने से दहाई अंक में बनी हुई है। यह खराब स्थिति का संकेत है। इसका मतलब है कि मौजूदा उच्च मुद्रास्फीति पिछले साल से ही बढ़ती आ रही है। उन्होंने कहा कि भारत को पूर्वी एशियाई संकट से मिली सीख को भूलना नहीं चाहिए। खुदरा मुद्रास्फीति थोक महंगाई दर की तरह और ऊपर जा सकती है।

बसु ने कहा, 'मेरा अनुमान है कि भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति नौ प्रतिशत को पार करेगी। हमें निश्चित तौर पर यह सुनिश्चित करना है कि यह दहाई अंक में नहीं पहुंचे।' यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय रिजर्व बैंक नीतिगत दर बढ़ाने के मामले में देरी की है, उन्होंने कहा कि आरबीआई की नीति मुख्य रूप से खुदरा महंगाई पर ही केंद्रित रही है। बसु ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आरबीआई ने देरी की है। भारत की अब तक की बड़ी चुनौती थोक मुद्रास्फीति थी। भारत को सबसे ज्यादा नुकसान बेरोजगारी से है। आरबीआई ने सतर्क रुख के साथ वृद्धि को गति देने के लिये हरसंभव कदम उठाया है।'

यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआई के नीतिगत दर को कड़ा करने से मुद्रास्फीति में नरमी आएगी, बसु ने कहा कि यह समय इस प्रकार के कदम उठाने का है। उन्होंने कहा, 'लेकिन हमें आरबीआई के अलावा अन्य नीतिगत कदम उठाने की भी जरूरत है। वहां हस्तक्षेप करने की जरूरत है, जहां आपूर्ति व्यवस्था बाधित है और उसे बेहतर बनाने की जरूरत है।' बसु ने यह भी कहा कि उन छोटे कारोबारियों, कामगारों और किसानों को सीधे मदद देने की जरूरत है, जो उत्पादन लागत बढ़ने से काफी प्रभावित हुए है।

राय

- देश में बेरोजगारी व महंगाई सबसे बड़ी चुनौती
- बीते 24 साल में इतनी ऊंची थोक महंगाई नहीं देखी
- निम्न व मध्यम वर्ग को महंगाई से बचाने के नहीं हो रहे उपाय
- 90 के दशक के उत्तरार्ध की याद दिला रही मौजूदा स्थिति
- उस वक्त पूर्वी एशियाई संकट से प्रभावित था भारत
- पूर्वी एशियाई संकट से मिली सीख को कतई न भूलें

यह समय सभी जरूरी कदम उठाने का है... हमें आरबीआई के अलावा अन्य नीतिगत कदम उठाने की भी जरूरत है। वहां हस्तक्षेप करने की जरूरत है, जहां आपूर्ति व्यवस्था बाधित है और उसे बेहतर बनाने की जरूरत है। उन छोटे कारोबारियों, कामगारों और किसानों को सीधे मदद देने की जरूरत है, जो उत्पादन लागत बढ़ने से काफी प्रभावित हुए हैं।

डा. कौशिक बसु
पूर्व अर्थशास्त्री, विश्व बैंक

गेहूं निर्यात के नियम सख्त हुए

■ वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, 13 मई से पहले जारी एलओसी पर ही होगा निर्यात

नई दिल्ली (भाषा)।

वाणिज्य मंत्रालय ने भ्रष्ट व्यापारियों की निर्यात खेप पर रोक लगाने के लिए गेहूं निर्यात के मकसद से पंजीकरण प्रमाणपत्र देने के लिए एक नई शर्त लगाई है।

सरकार सिर्फ ऐसी गेहूं निर्यात खेप को ही अनुमति दे रही है, जिसके लिए खाद्यान्न के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने के दिन यानी 13 मई को या उससे पहले ऐसे साख पत्र (एलओसी) जारी किए गए थे, जिन्हें कुछ समय तक रद्द नहीं किया जा सकता है। डीजीएफटी द्वारा अधिसूचित नई शर्त के अनुसार, भारतीय और विदेशी बैंक के बीच संदेश आदानप्रदान की तारीख, एलओसी जारी करने की त्वरित तारीख 13 मई, 2022 को या उससे पहले की होनी चाहिए।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के एक नोटिस के अनुसार,

निर्यातकों को अपनी निर्यात खेप भेजने को अनुबंध (आरसी) का पंजीकरण प्राप्त करने के लिए 13 मई को या उससे पहले जारी वैध एलओसी के साथ विदेशी बैंकों के साथ संदेश विनिमय की तारीख जमा करनी होगी। डीजीएफटी ने धोखाधड़ी करने वाले व्यापारियों को पहले की तारीख वाली 'लेटर ऑफ क्रेडिट' (एलसी) के आधार पर गेहूं निर्यात करने से रोकने के लिए नोटिस जारी किया।

नोटिस में कहा गया है कि वैध एलसी वाले निर्यातकों को अपनी खेप भेजने के लिए अनुबंध (आरसी) का पंजीकरण प्राप्त करने के लिए डीजीएफटी के क्षेत्रीय अधिकारियों (आरए) के साथ पंजीकरण कराना होगा। एक अलग अधिसूचना में डीजीएफटी ने कहा कि हालांकि ऑक्सिटोसिन का आयात निषिद्ध है।

एक से 21 मई के बीच निर्यात 21 फीसद बढ़कर 23.7 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली (भाषा)।

नई दिल्ली (भाषा)। विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि होने के कारण 1-21 मई के दौरान देश का निर्यात 21.1 प्रतिशत बढ़कर 23.7 अरब डालर हो गया।

एक अधिकारी के अनुसार इस दौरान पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक सामान जैसे खंड में खासतौर से अच्छी वृद्धि देखी गई। अधिकारी ने कहा कि चालू महीने के दूसरे सप्ताह के दौरान निर्यात 24% बढ़ गया। पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक सामानों के निर्यात में 1-21 मई के दौरान क्रमशः 81.1 प्रतिशत, 17 प्रतिशत और 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

उम्मीद है कि मई महीने में निर्यात के आंकड़े वाणिज्य मंत्रालय जून में जारी करेगा। इससे पहले अप्रैल में निर्यात 30.7 फीसदी बढ़कर 40.19 अरब डालर के स्तर पर पहुंच गया था।

सेंसेक्स 236 अंक टूटा

■ कारोबार की समाप्ति पर 54,052.61 पर बंद हुआ

मुंबई (भाषा)। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजारों ने मंगलवार को एक बार फिर शुरुआती बढ़त को गंवा दिया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 236 अंक टूटकर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स मजबूती के साथ खुला लेकिन इस बढ़त को कायम नहीं सका और 236 अंक यानी 0.43 प्रतिशत गिरकर 54,052.61 पर आ गया। दिन में कारोबार के दौरान यह एक समय 54,524.37 अंक के उच्च स्तर तक गया था और 53,886.28 अंक के निचले स्तर तक आया था। इसी तरह नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 89.55 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,125.15 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयर घाटे में रहे। वहीं, दूसरी तरफ डा. रेड्डीज, एचडीएफसी, पावरग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और नेस्ले के शेयरों में लाभ रहा। एचडीएएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, 'निफ्टी में एक बार फिर दोपहर के बाद भारी बिकवाली हुई। यह सुबह सपाट खुला और बाद में इसमें वृद्धि हुई थी।

ब्लू स्टार का नया डीप फ्रीजर

■ कंपनी ने उत्पादन क्षमता में दोगुनी वृद्धि की

नई दिल्ली (वि.)। एयर कंडीशनिंग व वाणिज्यिक रेफ्रिजरेशन क्षेत्र की कंपनी ब्लू स्टार ने डीप फ्रीजर की नई रेंज पेश की है। कंपनी ने वाडा में एक नई विस्तरीय विनिर्माण सुविधा के माध्यम से अपनी उत्पाद उपस्थिति का और विस्तार किया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक बी. त्यागराजन ने कहा नई श्रंखला का डीप फ्रीजर अचानक बिजली गुल होने की स्थिति में इंसुलेशन इंटीरियर को लंबे समय तक ठंडा रख सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वाडा में वाणिज्यिक प्रशीतन उत्पादों और इसी तरह के विकल्पों, विशेष रूप से डीप फ्रीजर और वाटर कूलर के उत्पादन को पूरा करने के उद्देश्य से एक नई विनिर्माण सुविधा का निर्माण किया है।

वाडा में कंपनी का नया विनिर्माण संयंत्र

एलआईसी का चौथी तिमाही का परिणाम 30 मई को

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी बोर्ड मंडल की इस माह के अंत में बैठक होने जा रही है जिसमें कंपनी के बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा की जाएगी।

कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की बैठक 30 मई, 2022 को होगी। एलआईसी 17 मई को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुई है। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल की बैठक में चौथी तिमाही के एकल और एकीकृत वित्तीय नतीजों पर विचार किया जाएगा और उसे मंजूरी दी जाएगी। कंपनी ने कहा कि बैठक में लाभांश भुगतान पर भी विचार किया जा सकता है।

वाहन ईंधन का बेहतर विकल्प साबित हो रही सीएनजी

■ पेट्रोल महंगा होने व इलेक्ट्रिक वाहनों के दाम ज्यादा होने से सीएनजी का रुख कर रहा आम आदमी

नई दिल्ली (भाषा)।

पेट्रोल के ऊंचे दाम और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के महंगा होने के कारण भारतीय उपभोक्ताओं के लिए संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) ईंधन एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही है।

सलाहकार और समाधान प्रदाता कंपनी नोमुरा रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनआरआई) ने अपनी रिपोर्ट 'स्वच्छ गतिशीलता का मार्गः भारत में प्राकृतिक गैस वाहनों की बढ़ती पैठ' में यह बात कही गई है। एनआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 में सीएनजी वाहनों की संख्या 55 प्रतिशत बढ़कर 2,65,383 इकाई हो गई, जो 2020-21 में 1,71,288 इकाई थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले पांच वर्षों में सीएनजी वाहनों की संख्या में इजाफा हुआ है और सालाना आधार पर इनकी हिस्सेदारी मार्च, 2022 तक 5.3 प्रतिशत बढ़कर 37.97 लाख इकाई की हो गई। यह संख्या मार्च, 2018 तक 30.90 लाख इकाई की थी।

एनआरआई ने एक बयान में कहा, 'अन्य ईंधन की तुलना में कुल कीमत में बढ़ते हुए अंतर को देखते हुए सीएनजी भारत चरण-छह श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए प्रमुख ईंधन के रूप में उभर रही है।'

कंपनी ने कहा, 'भारत में तकनीक अब अच्छे से स्थापित हो गई है और प्रमुख मूल उपकरण विनिर्माता कम लागत और ईंधन दक्षता वाले सीएनजी वाहनों की एक श्रृंखला लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सीएनजी ईंधन के बुनियादी ढांचे में सुधार और नियामकों के समर्थन जैसे अनुकूल कारण सीएनजी वाहनों की संख्या में वृद्धि को मदद दे रहे हैं।

हार्दिक और मिलर की 106 रन की साझेदारी राजस्थान के बटलर की पारी पर भारी

राजस्थान को हराकर आईपीएल 2022 के खिताबी मुकाबले में गुजरात

कोलकाता (एजेंसी)। किलर मिलर के नाम से मशहूर डेविड मिलर (नाबाद 68) और हार्दिक पंड्या के साथ 106 रन की साझेदारी कर गुजरात टाइटंस को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मंगलवार को सात विकेट से जीत दिलाते हुए अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल के फाइनल में पहुंचा दिया। राजस्थान ने फॉर्म में चल रहे जोस बटलर की 89 रन और कप्तान संजू सैमसन 47 रन की पारी से पहले क्वॉलीफायर में छह विकेट पर 188 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन गुजरात ने 19.3 ओवर में तीन विकेट पर 191 रन बनाकर जीत अपने नाम की और फाइनल का टिकट कटा लिया। मोहम्मद शमी, यश दयाल और आर साई किशोर काफी महंगे साबित हुए।ह्य इन तीनों ने क्रमशः 43, 46 और 43 रन लुटाए और तीनों को एक-एक सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने इस लक्ष्य को 3 विकेट खोकर तीन गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। गुजरात के लिए कप्तान हार्दिक पांडया ने नाबाद 40 रन और किलर मिलर डेविड मिलर ने नाबाद 68 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 61 गेंदों पर 106 रनों की अविजित साझेदारी की। उनके अलावा शुभमन गिल और मैथ्यू वेड ने 35-35 रनों का योगदान दिया। गुजरात टाइटंस ने दूसरी ही गेंद पर रिद्धिमान साहा (0) का विकेट गंवा दिया, इसके बाद मैथ्यू वेड (35) और शुभमन गिल (35) ने दूसरे विकेट के लिए 43 गेंदों पर 71 रनों की साझेदारी करके टीम को संकट से बाहर निकाला। गुजरात को आखिरी छह गेंदों पर 16 रन की जरूरत थी और गेंद प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों में थी। मिलर ने पहली तीन गेंदों पर तीन छक्के जड़कर गुजरात टाइटंस को अपने पहले सीजन में फाइनल में भेज दिया। राजराजस्थान के लिए बोल्ट और मकॉए ने एक- एक विकेट झटके। राजस्थान को अब फाइनल में पहुंचने के लिए बुधवार को लखनऊ सुपर जायंटस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होने वाले एलिमिनेटर के विजेता से क्वॉलीफायर 2 में भिड़ना होगा।

आईपीएल के एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले छठवें खिलाड़ी बने बटलर

- 973 रन - विराट कोहली (2016)
- 848 रन -डेविड वॉर्नर (2016)
- 735 रन -केन विलियमसन (2018)
- 733 रन -क्रिस गेल (2012)
- 733 रन -माइक हसी (2013)
- 718 रन -जोस बटलर (2022)
- 708 रन -क्रिस गेल (2013)

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
यशस्वी कै. साहा बो. दयाल	03	08	0/0
जोश बटलर रन आउट	89	56	12/2
सैमसन कै. जोसेफ बो. किशोर	47	26	5/3
देवदत्त पड़िक्कल बो. हार्दिक	28	20	2/2
हेटमायर बो. तेवतिया बो. शमी	04	07	0/0
रियान पराग रन आउट	04	03	0/0
अश्विन नाबाद	02	01	0/0
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 11, कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 188 रन **विकेट पतन:** 1-11, 2-79, 3-116, 4-161, 5-185, 6-186 **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 4-0-43-1, यश दयाल 4-0-46-1 ,अल्जारी जोसेफ 2-0-27-0, राशिद खान 4-0-15-0, साई किशोर 4-0-43-1, हार्दिक पड्या 2-0-14-1,

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
ऋद्धिमान साहा कै. संजू बो. बोल्ट	00	02	0/0
शुभमन गिल रन आउट	35	21	5/1
मैथ्यूज वेड कै. बटलर बो. मकॉए	35	30	6/0
हार्दिक पड्या नाबाद	40	27	5/0
डेविड मिलर नाबाद	68	38	3/5

अतिरिक्त: 13, कुल: 19.3 ओवर में तीन विकेट पर 191 रन **विकेट पतन:** 1-0, 2- 72, 3-85, **गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 4-0-38-1, प्रसिद्ध कृष्णा 3.3-0-40-0, रविचंद्रन अश्विन 4-0-40-0, युजवेंद्र चहल 4-0-32-0, ओबेद मकॉए 4-0-40-1,

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
बटलर	राजस्थान	718
केएल राहुल	लखनऊ	537
डिकॉक	लखनऊ	502
शिखर धवन	पंजाब	460

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
युजवेंद्र चहल	राजस्थान	26
हसरंगा	बेंगलुरु	24
कगिसो रबाडा	पंजाब	23
उमरान मलिक	हैदराबाद	22

सीएम ने तीन खिलाड़ियों को दी प्रोत्साहन राशि

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को अपने निवास पर प्रदेश के उदीयमान खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि भेंट की।

प्रियांशु राजावत को 10 लाख रुपए और सुश्री गौरांशी एवं धनंजय दुबे को 25-25 लाख रुपए की राशि के चेक प्रदान किए गए। इस दौरान खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया उपस्थित थीं। धार जिले प्रियांशु राजावत ने हाल ही में थॉमस कप बैडमिंटन अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया था। सुश्री गौरांशी शर्मा (भोपाल) ने डेफ ओलंपिक ब्राजील में टीम इवेंट में बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीता था। ग्वालियर के धनंजय दुबे ने डेफ ओलंपिक तुर्की में बैडमिंटन में रजत पदक प्राप्त किया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए निरंतर खेलने की सीख दी। उन्होंने उन्हें अधिक से अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव जनसंपर्क राघवेंद्र कुमार सिंह और खेल संचालक रवि गुप्ता उपस्थित थे।

विटोरी और बोरोवेच ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच नियुक्त

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया पुरुष टीम के मुख्य एंड्रयू मैक्डॉनल्ड की नई टीम में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को शामिल किया गया है। विटोरी को आंद्रे बोरोवेच के साथ टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। यह दोनों ही जून महीने के अंत में श्रीलंका के खिलाफ शुरु होने वाली टेस्ट सीरीज से बतौर सहायक कोच टीम के साथ जुड़ेंगे। बोरोवेच ऑस्ट्रेलिया टीम के साथ पिछले साल से ही काम कर रहे हैं, वहीं वह ऑस्ट्रेलिया ए टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा भी हैं। पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया टीम के साथ काम करने वाले वेटोरी द हंड्रेड के इस सीजन में बर्मिंघम फीनिक्स के साथ बतौर कोच जुड़े रहेंगे। विटोरी ने पिछले सीजन इस टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका भी निभाई थी। मैक्डॉनल्ड और वेटोरी दोनों को ही साथ में खेलने और कोचिंग की सेवा देने का अनुभव रहा है। वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए साथ खेलने के अलावा टीम के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा रह चुके हैं, जहां मैक्डॉनल्ड ने वेटोरी के अंडर सहायक के तौर पर काम किया था। विटोरी का कोचिंग करियर काफी अनुभवी रहा है। वह बांग्लादेश टीम के साथ बतौर स्पिन गेंदबाजी सलाहकार काम कर चुके हैं।

बीसीसीआई अध्यक्ष ने किया रोहित व विराट का बचाव

कहा, दोनों खिलाड़ी जल्द ही फॉर्म में वापसी करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मंगलवार को कहा कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली की आईपीएल में खराब लय चिंता का विषय नहीं है क्योंकि वह जल्द ही रन बनाने शुरू करेंगे।

गांगुली ने कोलकाता में एक कार्यक्रम में कहा, हर कोई इंसान है। गलतियां होंगी लेकिन कप्तान के रूप में रोहित का रिकॉर्ड उत्कृष्ट है। पांच आईपीएल खिताब, एशिया कप विजेता, उसने जहां भी कप्तानी की है, वह जीता है। कप्तान के रूप में उसका रिकॉर्ड शानदार है। गलतियां होंगी क्योंकि वह सभी इंसान हैं। आईपीएल के लीग चरण के आखिरी मैच से पहले कोहली के लिए भी यह सत्र बेहद निराशाजनक रहा। दोनों का समर्थन करते हुए, गांगुली ने कहा, वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। मुझे यकीन है कि वे रनों बनाना शुरू करेंगे। वह इतना क्रिकेट खेलते हैं कि कई बार वे फॉर्म गंवा बैठते है। आईपीएल में ऋषभ पंत भी बल्ले से अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा, पंत की तुलना धोनी से मत करिये। धोनी के पास काफी अनुभव है। उसने आईपीएल, टेस्ट और एकदिवसीय मिलाकर 500 से ज्यादा मैचों में कप्तानी की है। धोनी के साथ पंत की तुलना सही नहीं है। गांगुली ने उमरान की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह अपनी स्पीड बनाए रखे और फिट रहे, तो लंबे समय तक टीम इंडिया के लिए खेल सकता है। गांगुली ने आईपीएल 2022 में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को लेकर कहा, इस आईपीएल में कई खिलाड़ियों ने अच्छा खेला है। तिलक (वर्मा) ने मुंबई के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है।

एशिया कप: जापान ने भारत को 5-2 से हराया

टूर्नामेंट में बने रहने के लिए इंडोनेशिया के खिलाफ जीत जरूरी

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में चल रहे हीरो एशिया कप हॉकी के पूल ए के मुकाबले में मंगलवार को जापान ने भारत को 5-2 से शिकस्त दी। भारत और पाकिस्तान के बीच सोमवार को हुआ मुकाबला 1-1 पर समाप्त हुआ था। भारत का अगला मैच इंडोनेशिया के खिलाफ है। प्रतियोगिता में बने रहने के लिये उन्हें यह मैच जीतना होगा। इस हार के साथ भारत पूल ए के पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर जबकि जापान पहले स्थान पर पहुंच गया है।

भारत अभी तक हीरो एशिया कप में एक भी मुकाबला नहीं जीता है। जीबीके एरिना में हुए मुकाबले में जापान पहले क्वॉर्टर से ही भारत पर हावी रहा। मैच के 23वें मिनट में नागायोशी केन ने पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुए जापान के लिये पहला गोल किया। मैच के 39वें मिनट में दोबारा जापान की ओर से कवाबे कोसेई ने गोल कर स्कोर 2-0 पर पहुंचा दिया। इसके जवाब में भारत को राहत दिलाते हुए राजभर पवन ने 44वें मिनट में टीम का पहला गोल किया। चार मिनट बाद ही ऊका रयोमा ने जापान के लिये एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। मैच के 49वें मिनट में सिंह उत्तम ने भारत के लिये गोल कर स्कोर को 3-2 किया लेकिन इसके बाद मैच भारत की पकड़ से निकलता रहा। जापान के यामासाकी कोजी ने 54वें मिनट में और कावाबे कोसाई ने 55वें मिनट में गोल कर जापान की बढ़त को 5-2 कर दिया। पाकिस्तान की टीम दो मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। उसने इंडोनेशिया को 13-0 से हराया। वहीं, जापान के छह अंक हैं। इंडोनेशिया की टीम दोनों मैच हारकर पूल ए में चौथे स्थान पर है।

नॉकआउट मैच के लिए मुंबई की टीम में अर्जुन तेंदुलकर को नहीं मिली जगह

मुंबई। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को जून में होने वाले नॉकआउट मैचों के लिए मुंबई रणजी ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिली। पृथ्वी शॉ उस टीम का नेतृत्व करेंगे। इस साल फरवरी में अर्जुन तेंदुलकर और भारत के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को मुंबई रणजी ट्रॉफी टीम में रखा गया था। बाएं हाथ के इस ऑलराउंडर ने अभी तक प्रथम श्रेणी में डेब्यू नहीं किया है। अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल मेगा नीलामी में 30 लाख रुपये में चुना था, लेकिन लगातार आठ मैच हारने के बाद एमआई के खराब दौर से बाहर होने के बाद भी उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला।

पिता सचिन तेंदुलकर ने अर्जुन से कहा, रास्ते मुश्किल हैं, मेहनत करते रहो

अर्जुन को अब तक आईपीएल में डेब्यू करने का मौका नहीं मिलने पर पिता सचिन ने अपने बेटे से कहा कि आगे रास्ते काफी मुश्किल होने वाले हैं और इसलिए उन्हें मेहनत करते रहना चाहिए। मुंबई इंडियंस से जुड़े हुए सचिन ने वलीयर करते हुए कहा कि टीम चयन में वह कभी हस्तक्षेप नहीं करते हैं। एक कार्यक्रम में जब सचिन से पूछा गया कि क्या वह अर्जुन को इस साल खेलते हुए देखना चाहते थे, तो इस मास्टर ब्लास्टर ने कहा, यह एक अलग सवाल है। मैं क्या सोच रहा हूं या मैं क्या महसूस करता हूं यह महत्वपूर्ण नहीं है। सीजन अब खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा, मेरे और अर्जुन के बीच हमेशा से यह बातचीत होती है कि रास्ते चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। आपने क्रिकेट खेलना शुरू किया क्योंकि आप क्रिकेट से प्यार करते हैं, आप ऐसा करते रहें और साथ ही कड़ी मेहनत करते रहें। रिजल्ट जरूर सामने आएगा।

वेलोसिटी की जीत में चमकी शेफाली व लोरा

महिला टी20 चैलेंज: सुपरनोवास को सात विकेट से हराया

पुणे। शेफाली वर्मा (51) और लोरा वोलवार्ड (51) के आतिशी अर्धशतकों की बदौलत वेलोसिटी ने महिला टी20 चैलेंज मुकाबले में सुपरनोवास को सात विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए सुपरनोवास ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाए। इसके जवाब में वेलोसिटी ने 10 गेंदें रहते ही 151 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। वेलोसिटी ने टॉस जीतकर सुपरनोवास को पहले बल्लेबाजी करने के लिये बुलाया और पहले चार ओवर में ही तीन बल्लेबाज़ों को पवेलियन लौटा दिया। लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तानिया भाटिया के साथ 82 रन की साझेदारी कर टीम को सुरक्षित स्थिति में ला खड़ा गया। हरमनप्रीत ने 71(51), तानिया ने 36(32) और सुने लूस ने 20(14) रन बनाये। वेलोसिटी की ओर से केट क्रॉस ने 24 रन देकर दो लिए।

शेफाली ने वेलोसिटी को दी विस्फोटक शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलाते हुए 51(33) रन की पारी खेली। लोरा वोलवार्ड ने 51(35) रन बनाए। इसके अलावा दीप्ति शर्मा ने 24(25) और यस्तिका भाटिया ने 17(13) रन बनाए। सुपरनोवास की ओर से डायंड्रा डोटिन ने दो जबकि पूजा वस्त्रकार ने एक विकेट लिया। अपने पहले मुकाबले में जीत के साथ वेलोसिटी ने दो अंक अर्जित कर लीग में अपना खाता खोल लिया है। इसके अलावा सुपरनोवास के दो मुकाबलों में एक हार और एक जीत के साथ दो अंक हैं जबकि ट्रेलब्लेजर सुपरनोवास के खिलाफ अपना एकलौता मुकाबला हारकर एक भी पॉइंट हासिल नहीं कर पाई है।

करुणारत्ने और ओशादा फर्नांडो के अर्धशतक से श्रीलंका की मजबूत शुरुआत

ढाका। सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने (नाबाद 70) और ओशादा फर्नांडो (57) के बीच पहले विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश की पहली पारी में 365 रन के जवाब में मंगलवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट पर 143 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। श्रीलंका की टीम बांग्लादेश से अभी 222 रन पीछे है और उसके आठ विकेट बचे हुए हैं। स्टंप्स के समय कप्तान करुणारत्ने के साथ कासुन रजीता (शून्य) क्रीज पर मौजूद थे। करुणारत्ने ने 127 गेंद की नाबाद पारी में सात चौके लगाये जबकि फर्नांडो ने 91 गेंद की पारी में आठ चौके और एक छक्का जड़ा। इससे पहले मुशफिकुर रहीम के नाबाद 175 रन और लिटन दास के साथ उनकी छठे विकेट की रिकॉर्ड साझेदारी की मदद से बांग्लादेश ने बेहद खराब शुरुआत से उबरते हुए पहली पारी में 365 रन बनाये।

आईपीएल: लखनऊ को कड़ी टक्कर देने उतरेगा बेंगलुरु

एलिमिनेटर जीतने वाली टीम क्वॉलीफॉयर-2 में करेगी प्रवेश

कोलकाता। सलामी बल्लेबाज विराट कोहली के फॉर्म में वापसी और किस्मत के दम पर आईपीएल प्लेऑफ में प्रवेश के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हौसले बुलंद है और वह बुधवार को एलिमिनेटर में लखनऊ सुपर जाइंट्स को कड़ी चुनौती दे सकती है। जीतने वाली टीम सीधे क्वॉलीफाय-2 में प्रवेश करेगी जहां उसका मुकाबला क्वॉलीफायर-1 में हारने वाली टीम से होगा। शुरूआती मैचों में कम स्कोर के बाद कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी लीग मैच में 54 गेंद में 73 रन बनाए। यह इस सत्र में उनका दूसरा अर्धशतक था लेकिन इसमें उन्होंने अपने चिर परिचित सुंदर शॉट खेले और आरसीबी की उम्मीदों को जीवंत रखा। बेंगलुरु के लिए यह जीत ही काफी नहीं थी और उसे दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स पर मुंबई इंडियंस की जीत की भी दुआ करनी थी। मुंबई ने दिल्ली को हराकर आरसीबी का प्लेआफ का रास्ता बनाया। लखनऊ के सलामी बल्लेबाज कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डिकॉक के बक्कों पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा जो इस सत्र की सबसे कामयाब सलामी जोड़ी रही है । टीम के पास मध्यक्रम और निचले क्रम में दीपक हुड्डा को छोड़कर कोई नहीं चल सका है। स्टोइनिस, कृणाल पंड्या, आयुष बदोनी और होल्डर नाकाम रहे हैं ।

फ्रेंच ओपन: निशिओका को लगातार सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई

नोवाक जोकोविच ने जीत से की ग्रैंड स्लैम में वापसी

पेरिस। विश्व के नंबर वन खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने साल के अपने पहले ग्रैंड स्लैम मैच में जीत के साथ वापसी करते हुए फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई। डिफेंडिंग चैंपियन में राउंड के मैच में जापान के योशिहितो निशिओका को लगातार सेटों में 6-3, 6-1, 6-0 से हरा दिया। जोकोविच ने इससे पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा नहीं लिया था। उन्हें वीजा और वैक्सीनेशन मामले में साल का पहला ग्रैंड स्लैम खेलने का मौका नहीं मिला था। वह पिछली बार ग्रैंड स्लैम में पिछले साल खेले थे, जब उन्हें यूएस ओपन फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। फ्रेंच ओपन में पहला मैच जीतने के बाद जोकोविच ने कहा कि फिर से ग्रैंड स्लैम खेलकर खुश हूं। रोलैंड गैरोस दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक है और पिछले साल की यादें अभी तक मेरे जहन में ताजा हैं। 35 साल के जोकोविच ने निशिओका के खिलाफ मैच में 18 ब्रेक प्वाइंट हासिल किए। मैच के बाद उन्होंने कहा- मैं हमेशा खुद से बेस्ट की उम्मीद करता हूं, ताकि खेल में अच्छा प्रदर्शन कर सकूं। टूर्नामेंट की शुरुआत मैंने अच्छे से की है। अगले राउंड में जोकोविच का सामना अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया और स्लोवाकिया के एलेक्स मोलकन से हो सकती है। मोलकन फिलहाल जोकोविच के पूर्व कोच मारियन वाज्दा की देखरेख में खेल रहे हैं। इससे पहले राफेल नडाल भी दूसरे राउंड में पहुंच चुके हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को लगातार सेटों में 6-2, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ नडाल ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। नडाल किसी एक ग्रैंड स्लैम में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। नडाल ने फ्रेंच ओपन में अब तक 106 मैच जीते हैं। इस मामले में उन्होंने पूर्व नंबर एक रोजर फेडरर को पीछे छोड़ दिया। फेडरर ने विम्बलडन में 105 मैच जीते हैं।

चोट के बाद वापसी कर रहे मेदवेदेव भी जीते

दूसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनियल मेदवेदेव ने शुरुआती दौर में अर्जेंटीना के फेसुंडो बैगनिस को 6-2, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी। अगर मेदवेदेव रोलांड गैरोस में विजेता बनते हैं तो उनके पास नोवाक जोकोविच की जगह पुरुष एकल रैंकिंग में शीर्ष पर लौटने का एक शानदार मौका होगा। हालांकि, उनका पिछले साल क्वॉर्टरफाइनल को छोड़कर फ्रेंच ओपन में कोई शानदार रिकॉर्ड नहीं है और यहां भी वह अभी-अभी एक चोट से उभरने के बाद लौटे हैं। 26 साल के टेनिस खिलाड़ी मंगलवार को दुनिया के 103वें नंबर के बैगनिस पर एक घंटे की 38 मिनट तक चले मैच में जीत के दौरान सहज दिखे। एटीपी वेबसाइट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि शुरुआत में ब्रेक के एक तत्काल आदान-प्रदान ने संभावित रूप से शानदार मुकाबला हुआ, लेकिन यह 26 साल के मेदवेदेव के लिए बैगनिस के खिलाफ आसान जीत साबित हुई। लगभग दो महीने पहले हर्निया की सर्जरी कराने के बाद मेदवेदेव की यह पहली जीत है। पिछले हफ्ते सर्जरी के बाद वापसी करते हुए उन्हें जिनेवा ओपन के पहले दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। फ्रेंच ओपन के पहले दौर में लगातार चार बार शिकस्त झेलने वाले मेदवेदेव पिछले साल रोलां गैरो पर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे थे।

दो इंजीनियर युवाओं ने खास तरह का एप किया तैयार

एक क्लिक में मुश्किल समय में महिलाए अपनी लोकेशन इस एप के जरिए परिवार और पुलिस को भेज सकती है

जनबिन्दु,24 मई

गाजीपुर/वाराणसी। वाराणसी के दो इंजीनियर युवाओं ने खास तरह का एप तैयार किया है । ये एप न सिर्फ आपके फोन के चोरी होने के बाद अपना पता बताएगा, बल्कि इसके साथ ही मुश्किल समय में महिलाओं के सुरक्षा के लिए हथियार भी बनेगा। सिर्फ एक क्लिक में मुश्किल समय में महिलाओं अपनी लोकेशन इस एप के जरिए परिवार और पुलिस को भेज सकती है। इस खास एप को तैयार करने वाले अभिषेक ने बताया कि 'CMS Anti Theft and Women Safeti' एप मोबाइल में इंस्टॉल करने के बाद यही आपका मोबाइल चोरी होने के बाद भी चोर आपके फोन को बंद नहीं कर पाएगा और

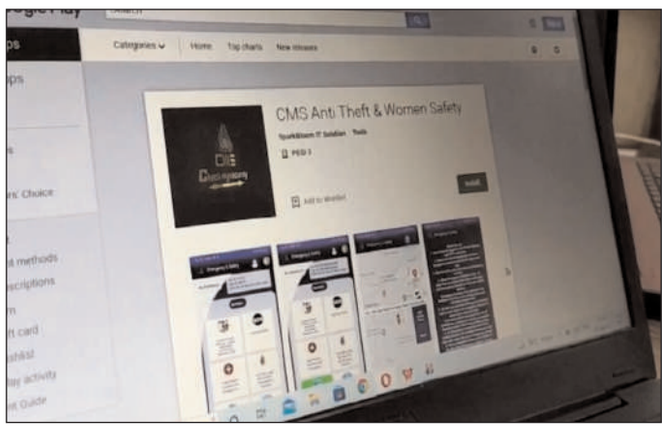

ये एप खुद पर खुद उसमे सेव किए इमरजेंसी नम्बर पर फोन की लोकेशन शेयर करेगा. जिससे आप अपने फोन को चोरी होने के बाद भी आसानी से ढूंढ सकेंगे. इस एप की यही खूबी इसे दूसरों से अलग बनाती है। इसके अलावा महिलाओं के सुरक्षा के लिए भी ये एप बेहद कारगर साबित होगा. सिर्फ तीन बार मोबाइल के पावर बटन को क्लिक कर महिलाएं किसी भी आपात स्तिथि में अपनी लोकेशन अपने परिवार वालो को भेज सकती है. मोहम्मद आदिल ने बताया कि ये एप आपके प्राइवेट डेटा को भी सुरक्षित रखता है और उसे हमारी टीम को भी शेयर नहीं करता है।

एक साल में तैयार किया एप - वाराणसी के अभिषेक और मोहम्मद आदिल ने एक साल के कड़ी मेहनत के बाद इस एप को तैयार किया है. प्ले स्टोर से 'CMS Anti Theft and Women Safety' एप को आसानी से डाउन लोड किया जा सकता है. अभिषेक ने बताया कि हाल में ही उन्होंने इसे तैयार किया है और अब सैकड़ो लोग अपने फोन में इसे इस्तेमाल कर रहे हैं।

यम और नियम के पालन के बिना आसन पूर्ण नहीं माना जाता है - श्री रामलाल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के खेल मैदान पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा केंद्र तथा शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे हैं "योग महोत्सव 2022" में दिनांक 25/05/ 2022 को सिद्ध योग के विषय में जानकारी दी गई।

अध्यात्म विज्ञान सत्संग केंद्र जोधपुर राजस्थान से पधारे सिद्धयोग के मुख्य प्रशिक्षक श्री रामलाल जी ने सिद्धयोग के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि इस योग में भक्तियोग कर्मयोग, राजयोग, क्रियायोग, ज्ञानयोग भावयोग, लययोग और हठयोग सभी का समावेश है, अतः इसे पूर्णयोग या महायोग भी कहते हैं। इसके करने से त्रिविध ताप (दैहिक,दैविक,भौतिक) शान्त हो जाते हैं। इस बात को सिद्ध करने के लिए अभ्यास एवं ध्यान के माध्यम से कुंडलिनी को जागृत कराने का प्रयास किया गया।साधना एवं ध्यान के दौरान प्रतिभागियों के आंतरिक अनुभूतियों को सार्वजनिक रूप से स्वयं प्रतिभागियों द्वारा साझा किया गया। इस अनुभूति से तमाम प्रतिभागी रोमांचित दिखाई पड़े स्थानीय केंद्र वाराणसी के प्रभारी श्री एम०के० श्रीवास्तव एवं जोधपुर केंद्र से पधारे श्री करण जी का सहयोग ध्यान एवं साधना क्रिया के संचालन में रहा। आगत प्रशिक्षकों का स्वागत संकाय अध्यक्ष प्रो० सुशील कुमार गौतम ने किया। इस अद्भुत क्रिया से अवगत होने की जिज्ञासा में बड़ी संख्या में प्रतिभागी कर्मचारी विद्यार्थियों के साथ डॉ राधेश्याम राय डॉक्टर बालरूप यादव, डॉक्टर चंद्रमणि ,श्री अभिषेक कुमार मिश्र ,श्री अमित कुमार गौतम, श्री प्रताप शंकर दुबे, श्री भूपेंद्र उपाध्याय, श्रीमती निशा यादव, सुश्री पूजा सोनकर तथा जयशंकर प्रसाद सिंह उपस्थित रहे।

दबंगों ने किया निजी रास्ता बंद, प्रशासन मौन

प्रखर गाजीपुर। शादियाबाद थाना क्षेत्र के चौकड़ी ग्राम सभा में दबंगों ने निजी रास्ते पर कब्जा कर लिया है जिससे परिवार का आवागमन पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। परेशान परिवार जिले के सक्षम अधिकारियों के साथ-साथ मुख्यमंत्री से इस संदर्भ में शिकायत कर चुका है लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। मामला ग्राम सभा चौकड़ी का है जहां के निवासी लालजी श्रीवास्तव और रविंद्र नाथ श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी गाजीपुर,उप जिलाधिकारी जखनियां, सम्बन्धित तहसीलदार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर दबंगों से अपना रास्ता खाली कराने की गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक चौकड़ी ग्राम सभा में लाल जी और रविंद्र श्रीवास्तव का परिवार वर्षों से आबाद है । उन्होंने अपने घर और सहन पर जाने के लिए रास्ते की जमीन गांव के ही एक व्यक्ति से आदान प्रदान किया है और इस के संदर्भ में पूरी कानूनी प्रक्रिया भी अपनाई थी। इधर कुछ महीनों से उस रास्ते पर गांव के ही श्रीराम, बालकरन, श्यामकरन, मुराली पुत्र बैजनाथ यादव आदि ने जबरिया कब्जा कर रखा है। बरसों से आबाद रास्ते पर दबंगों ने कब्जा कर-के प्रशासन को खुली चुनौती दी है। इस संदर्भ में पीड़ित परिवार लगातार आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगा रहा है। लेकिन अब तक इस संदर्भ में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सवाल यह है कि जहां एक तरफ मुख्यमंत्री खुद अधिकारियों से संवाद कर इस तरह के कब्जों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ितो को न्याय दिलाने की बात कर रहे हैं। लेकिन अधिकारी अपनी पुरानी कार्यशैली पर ही टिके हुए हैं।

क्रेन के गियर बॉक्स चोरी में सम्मिलित दूसरे आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित दुसरा अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । दिनांक 17.02.2022 को थाना अहरौरा पर वादी मनीष कुमार पाण्डेय पुत्र शिवकदम पाण्डेय निवासी सोनपुर थाना अहरौरा द्वारा अज्ञात चोर के विरूद्ध क्रेन का गियर बाक्स चोरी के सम्बन्ध मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । पुर्व मे उक्त अभियोग से सम्बन्धित एक अभियुक्त गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है । इसी क्रम मे आज दिनांक 25.05.2022 को उ0नि0 सुभाष यादव चौकी प्रभारी इमिलिया चट्टी मय हमराह कां0 पवनसुत यादव क्षेत्र में गश्त/चेकिंग में भ्रमणशील थे कि इसी दौरान अभियुक्त सम्पुर्णानन्द पुत्र कल्लू राम निवासी भगौतीदेई थाना अहरौरा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

सिंचाई कर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में दिया धरना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश इरीगेशन डिपार्टमेंट मिनिष्ट्रियल एसोसिएशन के आह्वाहन पर मंगलवार को मुख्य अभियंता सोना व नलकूप वाराणसी के कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना देते हुए माननीय जल शक्ति मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को मुख्य अभियंता के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया` धरने की कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद गाजीपुर ,सोनभद्र, जौनपुर, मिजार्पुर ,भदोही, मऊ, आजमगढ़, वाराणसी के सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित होकर सभी वक्ताओं ने विभागाध्यक्ष से मांग की यदि विगत कई वर्षों से प्रोन्नत लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों की पदस्थापना न किया जाना, नियम विरुद्ध तरीके से 3 वर्षों से कार्यरत लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों के स्थानांतरण का विकल्प मांगा जाना सहित आठ बिंदुओं पर यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिए जाते हैं तो संघ दिनांक 26 मई को जिला मुख्यालय पर धरना देगा धरने में प्रमुख रुप से शशिकान्त श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, राकेश कुमार सिंह प्रांतीय संयुक्त मंत्री , अजय कुमार श्रीवास्तव जनपद अध्यक्ष वाराणसी, सुरेंद्र यादव जनपद अध्यक्ष, संतोष तिवारी जनपद सचिव गाजीपुर ,अरविंद यादव अध्यक्ष जौनपुर, राम प्यारे जनपद अध्यक्ष मिजार्पुर, श्रीधर श्रीवास्तव जनपद अध्यक्ष मऊ, सुनील यादव जनपद अध्यक्ष आजमगढ़, अजय कुमार अतिरिक्त महामंत्री, कमलेश यादव मंडल अध्यक्ष, अखिलेश कुमार सिंह मंडल मंत्री, अखिलेश उपाध्याय , संतोष कुमार नागर , आशुतोष कुमार केसरी ,राकेश कुमार ,राकेश प्रताप सिंह, प्रमोद कुमार पाठक,कैलाश यादव ,प्रभात कुमार ,चंदन यादव ,कमलेश सिंह श्याम ,आशुतोष कुमार श्रीवास्तव , प्रमोद कुमार सिंह , ऋषि सिंह, नारायण दुबे, राम ब्रिज प्रसाद आदि उपस्थित रहे ' धरने की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह तथा संचालन नीरज कुमार सिंह जनपद सचिव द्वारा किया गया।

सात दिवसीय निःशुल्क राष्ट्रीय योग महोत्सव के चौथे दिन प्रशिक्षक आदित्य उपाध्याय एवं अंश श्रीवास्तव ने व्यायाम, आसनों, प्राणायाम का कराया अभ्यास

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा चलाया जा रहा सात दिवसीय निःशुल्क राष्ट्रीय योग महोत्सव के चौथे दिन प्रशिक्षक आदित्य उपाध्याय एवं अंश श्रीवास्तव नियमित सूर्य नमस्कार के अभ्यसोपरांत विश्व योग दिवस पर होने वाले यौगिक प्रोटोकाल से परिचित कराने के साथ-साथ प्रोटोकाल के अंतर्गत होने वाले व्यायाम, आसनों, प्राणायाम का अभ्यास कराया । इसके अंतर्गत ताड़ासन, वृक्षासन, पवनमुक्तासन, मकरासन, सलभासन तथा कपालभाति, त्रिकोडासन, सीत्कारी प्राणायाम के साथ-साथ योग निद्रा का भी अभ्यास कराया गया। योगाभ्यास के बाद शामिल होने वाले बच्चों एवं अभिभावकों में भारी उत्साह दिखा अभिभावकों ने कहा कि हमलोग इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करेंगे` योगाभ्यास के अतिरिक्त योगासनों को और रुचिकर बनाने के लिए उन्हें कैसे मुक्त हस्त व्यायाम के रूप में

प्रयोग कर सकते हैं? की प्रक्रिया से अवगत भी कराया । अंत मे कार्यक्रम नोडल अधिकारी अभय सरोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक कसरत नही अपितु योग का लक्ष्य - शरीर, मन एवं सामाजिक समन्वय है। अभ्यास कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में सरकारी एवं प्राइवेट विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ अध्यापक गण ,जफर अंसारी,दिलीप श्रीवास्तव, शशिकांत सिंह, डी.के सिंह ,संजय कुमार ,सुषमा जेशल, सुनीता सिन्हा, मधु पाल,कंचन तिवारी,मीरा सिंह,अनिल कुमार , भागवती गिरी,विभा उपाध्याय, आशीष वर्मा,पूनम चौबे,रितेश सिंह,पूनम सिंह,किरण श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे ।

घायल अज्ञात वृद्ध की मौत

प्रखर खानपुर गाजीपुर। थाना क्षेत्र के शादिभादि में बीते बीस मई को सड़क किनारे शिवमंदिर पर घायलावस्था में मिली अज्ञात वृद्ध महिला की मौत हो गई। वाराणसी गाजीपुर हाइवे पर शादिभादि में सड़क किनारे स्थित शिव मंदिर पर बीते बीस मई को एक अज्ञात सत्तर वर्षीय महिला घायल अवस्था में पुलिस को मिली थी। महिला के सर,पैर और कमर में गंभीर चोट लगी थी।सभी स्थानीय पुलिस की मदद से सैदपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इलाज के लिए भेज दिया गया था। वही उसकी हालत गंभीर होने के कारण वृद्ध महिला को जिला मुख्यालय के चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था।जहा आज इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वही इतने दिनों तक महिला के होश में न आने के कारण उसकी पहचान नही हो पायी।वही मंगलवार की रात्रि महिला ने दम तोड़ दिया।बुधवार को खानपुर पुलिस को जानकारी मिलने पर बुधवार को पुलिस ने पंचनामा देकर अज्ञात महिला को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अरे, तो क्या अब रात में हो रहा है अवैध खनन

प्रशासन पस्त, खनन माफिया मस्त, रात के अंधेरे में क्षेत्र मे चल रहा अवैध खनन

प्रखर खानपुर गाजीपुर। स्थानीय प्रशासन डाल-डाल तो खनन माफिया पात-पात जी हां बीतेदिनों क्षेत्र मे हो रहें अवैध खनन की शिकायतें लगातार स्थानीय प्रशासन को मिल रही हैं लेकिन स्थानीय प्रशासन के कार्यवाही के नाम पर केवल नियम के ही पाठ पढ़ाया जा रहा हैं। बीतेदिन क्षेत्र मे अवैध खनन की खबर प्रकाशित होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने कार्यवाही मे अपनी ऊँगली बचाते हुए एक जेसीबी व एक ट्रैक्टर को सीज करते हुए वाहवाही लूट रही हैं।

लेकिन कहते हैं न प्रशासन डाल-डाल तो खनन माफिया पात-पात प्रशासन की कार्यवाही को देखते हुए खनन माफियाओ ने रास्ता बदलते हुए दिन के जगह अब रात मे खनन का कार्य जोरों से शुरू कर दिया हैं।वही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार खनन माफियाओ ने कुछ लोगो के माध्यम से अपना सम्पर्क बनवाकर रात्रि मे बिना किसी डर भय के अपना काम शुरू कर दिया हैं।बीतीरात स्थानीय पुलिस को ग्रामीणों के माध्यम से मिली सुचना की क्षेत्र के घोघवा मे खनन का कार्य चल रहा हैं वही सुचना पर जबतक स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची की उसके पहले ही खनन माफिया अपनी जेसीबी और ट्रैक्टर लेकर फरार हो गये,और जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्हें खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा।

वही क्षेत्र के घोघवा, फरीदहा, ददरा, पोखरामोड़, अनौनी आदि क्षेत्रो मे रात्रि का फायदा लेकर खनन का कार्य जोरों पर चल रहा हैं।वही इस सम्बन्ध मे गाजीपुर खनन अधिकारी से बात की गयी तो उन्होंने बताया की खनन बंद हैं। कागजी कार्यवाही पूर्ण कर जियो की तहत भठ्ठे पर अधिकारियो से परमिशन लेकर चलवा सकते हैं,वैसे इस समय अवैध खनन माफियाओ के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा हैं जल्द ही उचित कार्यवाही की जायेगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से बच्चों ने मोहा मन

पं०म०मो०मा० इ०का० सिखड़ी में प्रतिभा सम्मान समारोह का कार्यक्रम संपन्न

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के पंडित मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज से सिखड़ी के परिसर में विगत दो वर्षों से कोरोना महामारी के चलते बंद पड़े कार्यक्रम को इस वर्ष पहले की भांति पुनःइस वर्ष भी छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।कार्यक्रमका शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर श्रीमती सपना सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया तत्पश्चात उपस्थित सामान्य से लेकर गणमान्य तक लोगों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन किया। कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति ने समां बांधी। जिसमे सरस्वती वंदना स्वागत गीत गणेश वंदना विभिन्न लोक भाषाओं पर आधारित अभिनय नृत्य के अलावा हरियाणवी तथा देश भक्ति का शानदार मंचन लोगों के दिलों तक छू गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पारसनाथ राय ने मंचासीन अतिथियों का परिचय वातावरण पर व्यापक प्रकाश डाला। नन्हे मुन्ने बच्चों का कार्यक्रम मनकों मोह गया। जिसका दर्शकों ने तालियां बजाकर उत्साह बर्धन किया। विभिन्न बालिका द्वय लोगों का ध्यान खींचा। तत्पश्चात ग्रीष्मावकाश में पाथेय के रूप में दिए जाने वाले गृह कार्य के प्रश्नपत्रों का माननीय मुख्य अतिथि महोदया ने अपने

करते हुए स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र अलंकरण प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यालय की छात्रा त्रय ने हिंदी अंग्रेजी और संस्कृत में संवादसंप्रेषण कर विद्यालय के परिवेश एवं शैक्षिणिक प्रतियोगिताओं में स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को कार्यक्रम के अध्यक्ष महोदय ने पुरस्कार वितरण कर उत्साहवर्धन किया। धोबी गीत के माध्यम से कार्य के प्रति जागरूकता का मंचन करते हुए हाथों से विमोचन किया । साथ ही कार्यक्रम के अध्यक्ष महोदय के कर कमलों द्वारा विद्यालय के वार्षिक समारोह 25 दिसंबर के कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। 16 कलाओं के ?अवतार भगवान श्री कृष्ण की रासलीला पर केंद्रित भावाभिव्यक्ति का कार्यक्रम लोगों के मन को खूब भाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति राष्ट्र को समर्पित देशभक्ति का कार्यक्रम वंदे मातरम उपस्थित दर्शकों में जहां देश भक्ति का भाव भर रहा था वहीं नन्ही सी प्यारी ?बिटिया के जांबाज फौजी पिता की शहादत पर लोगों की आंखें गीली हो गई। लोक गीत के माध्यम से देश की समसामयिक विषयो को रेखांकित करते हुए देश के विकास पर ध्यान देने की अपिल? की गई। विद्यालय दो मेधावी छात्राओं रिया यादव तथा शैलजा यादव ने क्रमशः हिन्दी संस्कृत और अंग्रेजी में अपने विचार व्यक्त किया।पाथेय रूप में छात्रों को वितरण होने वाले प्रश्न पत्र का माननीय मुख्य अतिथि ने विमोचन करते हुए सभी

छात्र छात्राओं अपनी तरफ से ढेरों शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सपना सिंह ने कहा कि जीवन की हर कसौटी पर खरा उतरने वाली बेटियों के प्रति हर किसी की सकारात्मक सोच होनी चाहिए। क्यों कि जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाली बेटियां अब पुरुषों के कन्धे से कन्धा मिलाकर चल रही हैं।शहर से लेकर गांव तक,खेल से युद्ध मैदान तक बेटियों का ही जलवा है जमीं से आसमां तक।इस मौके पर दयाशंकर सिंह,रुद्र प्रताप सिंह, मनोज यादव,अनुज मिश्रा,लालजी यादव,रामअवध यादव,शारदा राय, चंद्रकुमार पाण्डेय, दीपक पाण्डेय,अजय कुमार पांडेय,श्रवन सिंह पत्रकार डा० ए०के०राय,संजय चौबे, अमित जायसवाल, गोपाल पाण्डेय, आदि उपस्थित थे अध्यक्षता डा०व्यासमुनि राय तथा संचालन गौरीशंकर पाण्डेय सरस ने किया। अंत में उपाचार्य योगेन्द्र नाथ राय ने जहां विद्यालय से संबंधित अन्य सूचनाओं की जानकारी दिया वहीं प्रधानाचार्य पारसनाथ राय ने सबके प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीणों ने लगाया रोजगार सेवक पर धन उगाही का आरोप, की एडीओ और बीडीओ से शिकायत

प्रखर खानपुर गाजीपुर। थाना क्षेत्र के सोनियापार गांव में रोजगार सेवक संजय कुमार के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। गांव वालों ने उपायुक्त श्रम रोजगार गाजीपुर में भी शिकायत दर्ज करायी थी। जिनके आदेश पर बुधवार को ग्रामप्रधान आशा देवी और ग्राम्य सचिव धर्मेंद्र कुमार ने सामुदायिक भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत बुलाई थी। बैठक में सभी तेरह ग्राम पंचायत सदस्यों एवं ग्रामप्रधान आशा देवी ने संजय कुमार पर कई सारे वित्तीय अनियमितता और धन उगाही का आरोप लगाकर उन्हें रोजगार सेवक के पद से कार्यमुक्त करने के लिए बहुमत से प्रस्ताव पास कर दिया। पिछले कई वर्षों से रोजगार सेवक संजय कुमार अपने मनमर्जी कार्य और अनैतिक धन उगाही कर रहे थे। रोजगार सेवक संजय कुमार की शिकायत सैदपुर ब्लाक पर बीडीओ और एडीओ पंचायत को दिया गया था। ग्रामसभा की खुली बैठक में गांव के सभी तेरह ग्राम पंचायत सदस्यों ने संजय कुमार के खिलाफ वोटिंग किया। गुलाबो देवी, रामसरेख यादव, रामबचन, सुबाष, हीरामनी, संगीता देवी आदि शामिल रहे।

सड़क किनारे अतिक्रमण करने पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत

प्रखर दीदारगंज/आजमगढ़। पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ अनुराग आर्य के द्वारा अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दीदारगंज पुलिस क्षेत्र के सभी चौराहों पर सड़क किनारे ठेला, खोमचा तथा बालू, गिट्टी आदि रखकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ काफी सख्त है। सड़क किनारे अतिक्रमण करने वाले चार लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। थानाध्यक्ष दीदारगंज कौशल कुमार पाठक के नेतृत्व में अभियान चलाकर थाना क्षेत्र के सभी बाजारों व सड़क के किनारे हुए अतिक्रमण को हटवाया जा रहा है, तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों से लोगों को सड़क के किनारे से अतिक्रमण हटाने की हिदायत भी दी जा रही है। हिदायत के बाद भी अतिक्रमण ना हटाने वाले 4 लोगों के खिलाफ पुलिस द्वारा दीदारगंज थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दो जगहों पर सड़क के किनारे गिट्टी बालू रखकर बेचा जा रहा था तथा सड़क के किनारे ट्रक खड़ी कर सड़क जाम किया गया था, जिससे दुर्घटना की संभावना थी, हिदायत देने के बावजूद ना हटाने पर उनके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया गया। तथा एक व्यक्ति द्वारा सड़क के किनारे बल्ली रखकर सड़क पर अतिक्रमण किया गया था व पुष्पनगर बाजार में एक मिष्ठान व्यवसाई द्वारा सड़क पर अतिक्रमण किया गया था जिनके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। थानाध्यक्ष कौशल कुमार पाठक ने कहा कि क्षेत्र के लोगों और दुकानदारों को सड़क पर अतिक्रमण न करने की हिदायत बार-बार दी जा रही है, जो भी सड़क के किनारे अतिक्रमण करता पाया जाएगा उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जाएगी।

अर्धनिर्मित प्लाट में मिला युवक का शव

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। मंडुवाडीह क्षेत्र के भिखारीपुर स्थित भिखारीपुर कलाँ गांव में अर्धनिर्मित प्लाट में ईट के ढेर में जयदीप उर्फ चीनी 30 वर्ष का शव मिला। मिली जानकारी के अनुसार मृतक जयदीप पुत्र स्व. फुलचन्द भिखारीपुर कलाँ गांव का निवासी था व पेशे से फर्नीचर का कार्य करता था। पिछले 2 दिनों से वह घर से लापता था। उसके बड़े भाई गुरुप्रसाद राणा खोजबीन कर रहे थे तभी बुधवार की सुबह गांव के लोगों को कुछ महक आयी तब उन्होंने अर्धनिर्मित प्लाट में देखा तो एक युवक का खून से लथपथ शव पड़ा है।सूचना पर मौके पर थाना प्रभारी राजीव सिंह व बरेका चौकी प्रभारी पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। मौके पर पहुँचे अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन प्रबल प्रताप सिंह ने बताया की शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। प्रथम दृष्टया पारिवारिक रंजिश व आपसी रंजिश को मानकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

सामुदायिक शौचालय बना हाथी का दांत, पैसे का हो गया भुगतान शौचालय अभी भी है अधूरा, जिम्मेदार अधिकारी बने हैं धृतराष्ट्र

प्रखर गोरखपुर। विकास के सारे दावे को फेल करता भ्रष्ट सिस्टम के भेंट चढ़ा सामुदायिक शौचालय आपको बताते चलें कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने और केंद्र की मोदी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का काम युद्ध स्तर पर चलाया गया ग्रामीणों की सुख सुविधा को देखते हुए हर गांव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराने का कार्य बहुत जोर शोर से चला लेकिन कुछ गांव ऐसे हैं जहां पर सामुदायिक शौचालयों का निर्माण तो कराया गया लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी और ग्राम प्रधान की मिलीभगत से पैसे की बंदरबांट करके उस सामुदायिक शौचालय को अधूरा छोड़ दिया गया। पूरा मामला जनपद गोरखपुर के सहजनवा विकासखंड के खिरीडाढ ग्राम सभा का है। खेल गांव ग्राम सभा में ग्राम प्रधान के द्वारा और सरकार के दिशा निर्देश के अनुसार

सामुदायिक शौचालय का निर्माण हुआ लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही से आज भी सामुदायिक शौचालय अधूरा है सामुदायिक शौचालय में ना तो दरवाजे लगे हैं ना ही कोई सीट बैठाई गई है ना ही पानी की कोई व्यवस्था है मोटर समरसेबल कुछ भी नहीं है विद्युत का कनेक्शन भी नहीं है जिस उद्देश्य से सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया , उस उद्देश्य की पूर्ति आज तक नहीं हुआ। सामुदायिक शौचालय का निर्माण वित्तीय वर्ष 2020 /2021 में पूर्व प्रधान के द्वारा कराया गया था । उस समय खीरीडाढ़ ग्राम सभा की ग्राम सचिव सुषमा चौबे थी। चुनाव के बाद गांव का समीकरण बदला, नए प्रधान नियुक्त किए गए, लेकिन ग्राम सचिव सुषमा चौबे आज भी उस ग्राम सभा में बनी हुई है आखिर क्या कारण है कि सामुदायिक शौचालय आज तक अधूरा है। इस बाबत जब एडीओ पंचायत से बात की गई तो उन्होंने बताया की ग्राम सचिव से बात करके उसकी जानकारी लेकर और जो भी काम अधूरा है उसे त्वरित पूर्ण कराया जाएगा। लेकिन सवाल अब यह उठता है की जिम्मेदार अधिकारी ऐसे लापरवाही पर पर क्यों मौन साधे रहते हैं।

बाइक में टक्कर मार ट्रक पलटा, मां बेटे की मौत, एक घायल

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। गंभीरपुर थाना अंतर्गत संजरपुर-छांऊ मार्ग पर स्थित लुहसा मुबारकपुर गांव की दलित बस्ती के समीप मंगलवार की दोपहर ट्रक व

बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर में बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई। इस हादसे में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे खाई में पलट गया। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। वहीं घायल का उपचार अस्पताल में चल रहा है। निजामाबाद थाना क्षेत्र के सहरिया ग्राम निवासी रमेश भारती की 40 वर्षीय पत्नी रेखा देवी मंगलवार को अपने 18 वर्षीय पुत्र राज भारती एवं तहबरपुर थाना क्षेत्र के गुलजारपुर ग्राम निवासी रिश्तेदार अजीर (19) पुत्र चंद्रदेव तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर संजरपुर से छांऊ की ओर किसी निमंत्रण में शामिल होने जा रहे थे। दोपहर करीब एक बजे बाइक सवार तीनों लोग लुहसा मुबारकपुर ग्राम स्थित दलित बस्ती के पास तीव्र मोड़ पर पहुंचे कि तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से बाइक में सीधी टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार मां-बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि बाइक पर बैठा अजीर गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे की जानकारी पाकर आसपास के लोग भाग कर मौके पर पहुंचे। आनन-फानन घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल अजीर की हालत गंभीर देख उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। दुर्घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से मृतकों के घर कोहराम मचा हुआ है।

मुहम्मदपुर सभागार में विभिन्न बैंकों के बैंक मैनेजर व बैंक मित्र की आवश्यक बैठक खंड विकास अधिकारी डॉ. आराधना त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। पीएम किसान से आच्छादित किसानों को केसीसी योजना के शत प्रतिशत भागीदारी को लेकर ब्लॉक मुहम्मदपुर सभागार में विभिन्न बैंकों के बैंक मैनेजर व बैंक मित्र की एक आवश्यक बैठक खंड विकास अधिकारी डॉ आराधना त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आजमगढ़ यूनियन बैंक के एलडीएम मिथिलेश सिंह ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना पर विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि बैंक मित्र अपने अपने क्षेत्र में किसानों को किसान क्रेडिट योजना का लाभ दिलाने के लिए उन्हें केसीसी फार्म भरवाए जिनके कम भूमि है और उनका केसीसी योजना का रेशियो कम बन रहा है तो उन्हें अवगत कराएं यदि वह नहीं लेना चाहते हैं तो उनका फार्म भरवा ले । बैंक मित्रों को अपने केबिन में बैठने व उसको सुसज्जित रखने की सलाह दी । साथ ही साथ बुधवार को वाराणसी से चलकर आजमगढ़ के लिए भ्रमण में जाने वाले यूनियन बैंक सतर्कता अधिकारी के आगमन पर उन्होंने बैंक मित्रों को चौकन्ना रहने के साथ-साथ उन्हें यूनिफॉर्म में रहने की हिदायत दी। खंड विकास अधिकारी डॉ आराधना त्रिपाठी ने बैंक मैनेजर को बैंक के अधिकारियों से कहा कि वह शासन द्वारा चलाए जा रहे किसान क्रेडिट कार्ड योजना में किसानों का लाभ पाने के लिए सहयोग करें। इस अवसर पर यू बी आई मुहम्मदपुर शाखा प्रबंधक संजय कुमार विश्वकर्मा, एस बी आई मुहम्मदपुर शाखा प्रबंधक अजय सिंह ,यू बी आई गंभीरपुर रामप्रीत ,यू बी आई खुदादादपुर आशीष कुमार ,यूबीआई मंगरावां उमेश कुमार, यूबीआई रानीपुर रजमो निधि सिंह, बैंक मित्र यशपाल मौर्य, संतोष यादव, आशुतोष यादव आदि लोग उपस्थित थे।

अतिक्रमण के मुद्दे पर दूसरे दिन भी भाजपाइयो ने ईओ से किया संवाद

प्रखर अहरौरा,मिर्जापुर। नगर मे अतिक्रमण हटाये जाने के नाम पर होने वाले ध्वस्तीकरण कार्यवाही के खिलाफ स्थानीय भाजपा कार्यकताओं का प्रतिनिधि मंडल बुधवार को लगातार दूसरे दिन मंडल अध्यक्ष महेन्द्र अग्रहरि के नेतृत्व मे अधिशासी अधिकारी नवनीत सिंह से मुलाकात कर

जनमानस की स्थिति से अवगत कराया और अतिक्रमण हटाने के मुद्दे पर नपा प्रशासन को एक निश्चित मानक निर्धारित करने का अपील किया , अधिशासी अधिकारी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसी के भी साथ भेदभाव नही किया जाएगा, और ना ही अतिक्रमण के नाम पर राजनैतिक दुर्भावना से उत्पीड़न होगा, इओ ने कहा कि वे स्वयं बुधवार को ही नगर के प्रमुख मार्गो का निरीक्षण करेंगे और जहा कही अतिक्रमण होगा तो लोगो से प्रथमदृष्टया स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए कहा जायेगा उसके बाद ही आवश्यक होने पर ध्वसतीकरण की कार्यवाही की जायेगी, वही दूसरी तरफ भाजपा मंडल अध्यक्ष महेन्द्र अग्रहरि ने इओ अहरौरा के साथ हुयी बातचीत को संतोषजनक बताया, और कहा कि अतिक्रमण के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल शिघ्र ही नोडल अधिकारी एडीएम मीरजापुर से मिलकर नगर के भौगोलिक स्थिति से अवगत करायेगा, और अतिक्रमण अभियान से स्ट्रीट वेंडरो और छोटे मझोले रोजगारियो के रोजी रोटी बचाने के लिये सहानुभूति पूर्वक विचार करने के लिए अनुरोध करेगा, प्रतिनिधि मंडल में जयकिशन जायसवाल ओमप्रकाश केसरी उमेश केशरी विनोद पटेल कृष्णा तिवारी विनोद सोनकर आनंद अग्रहरि अरविन्द अग्रहरि सहित दर्जनो लोग मौजूद रहे।

लापता दिनेश राम का 3 साल बाद अपने परिवार से पुनर्मिलन

प्रखर डेस्क। मानसिक रूप से विक्षिप्त दिनेश राम जो 2019 में अपने घर से लापता हो गए थे और भटक कर केरल पहुँच गए थे, का 3 साल बाद अपने परिवार से पुनर्मिलन हुआ है। यह सकारात्मक घटना उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के जमानिया विकास खंड के बहादुरपुर गांव में देखने को मिली जहाँ 3 साल से लापता दिनेश राम का अपने परिवार से पुनर्मिलन हुआ है। दिनेश राम (48 वर्षीय) को उनके परिवार से 'एस्पाइरिंग लाइव्स' एनजीओ, तमिलनाडु के द्वारा मिलाया गया जब दिनेश राम के बड़े भाई (महेश्वर नाथ भारती), और दूर के दामाद (राजेंद्र कुमार) चेन्नई (तमिलनाडु) दिनेश राम को वापस घर ले जाने के लिए आए। दिनेश राम अपने घर पहुँच चुके हैं। एस्पाइरिंग लाइव्स ने दिनेश राम

के परिवार का पता लगाकर उनको उनके परिवार से मिलाया है। दिनेश राम को इनकी असहाय स्थिति में केरल के कोल्लम जिले में अवस्थित एस एस समिथि अभया केंद्रम नामक संस्था में 10 दिसंबर, 2019 को दाखिल किया गया था। इस संस्था ने 9 नवंबर, 2020 को दिनेश राम के परिवार का पता लगाने और तत्पश्चात इनको इनके परिवार से पुनर्मिलन कराने के उद्देश्य से एस्पाइरिंग लाइव्स एनजीओ से संपर्क किया। गौरतलब है कि मानसिक रूप से विक्षिप्त दिनेश राम अपने घर का पता, और रिश्तेदारों के बारे में बता पाने में काफी हद तक असहज थे। जबकि यह विवरण उनके परिवार का पता लगाने के लिए अनिवार्य था। दिनेश राम के द्वारा बताए गए अस्पष्ट तथ्यों को ही आधार बनाकर इनके परिवार का पता लगाया गया। एक दिन बाद ही, यानि कि 10 नवंबर, 2020 को एस्पाइरिंग लाइव्स एनजीओ द्वारा इनके परिवार का पता लगाकर इनके परिवार को इस शुभ समाचार की सूचना दी गई। कोरोना थोड़ा और कम होने का इंतजार करते-करते इनके परिजनों को इनको वापस घर लेकर जाने में काफी विलम्ब हुआ, और अब जाकर कहीं यह संभव हो पाया।

आई पी एस, अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी उत्तर प्रदेश द्वारा 36वीं वाहिनी पीएसी रामनगर में भ्रमण व निरीक्षण किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। डॉ के0 एस0 प्रताप कुमार, आई पी एस, अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी उत्तर प्रदेश द्वारा 36 वी वाहिनी पीएसी रामनगर वाराणसी का भ्रमण व निरीक्षण किया गया। प्रथम वाहिनी आगमन पर सेनानायक डॉ अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। वाहिनी भ्रमण,के क्रम में वाहिनी क्वार्टर -गार्ड पहुंचकर सलामी ली गई व अच्छा साज-सज्जा पहनावा हेतु जवानों की प्रशंसा की गई ' बाद क्वार्टर- गार्ड निरीक्षण फलदार पौधे लगाए गए, व वाहिनी परेड -ग्राउंड का भ्रमण किया गया। वाहिनी सीपीसी कैंटीन का जीर्णोद्धार उपरांत आधुनिक स्वरूप का लोकार्पण किया गया व कैंटीन का निरीक्षण किया गया। वाहिनी भ्रमण के क्रम में वाहिनी मेस, वाहिनी बैरक व विभिन्न स्थानों का भ्रमण व निरीक्षण किया गया। भ्रमण द्वारा सैनिक सम्मेलन लिया गया जिसमें,डॉ अनिल कुमार पाण्डेय, आईपीएस सेनानायक श्री अमर बहादुर- सहायक सेनानायक श्री अविचल पाण्डेय -शिविरपाल श्री कैलाश नाथ सिंह-सूबेदार मेजर व वाहिनी के समस्त /अधिकारी कर्मचारी व आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षी सम्मिलित हुए महोदय द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी/ कर्मचारी से समस्या पूछी गई तथा संबंधित को समाधान हेतु निर्देशित किया गया। ने अपने संबोधन में ड्यूटी व अनुशासन संबंधी आवश्यक दिशा- निर्देश दिए तथा पीएसी बल में अच्छी ड्यूटी संपादित करने हेतु जवानों की प्रशंसा व सराहना की।

वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश 13 मोटरसाइकिल सहित 7 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पड़री पुलिस द्वारा अन्तर्जनपदीय वाहन चोर गैंग का पदार्फाश करते हुए 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 13 अदद चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। दिनांक 24 मई 2022 को उप निरीक्षक माधव सिंह मय पुलिस बल क्षेत्र की देखभाल व गश्त/चेकिंग में भ्रमणशील थे कि इसी दौरान जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति मोहनपुर पहाड़ी से तोषवा जाने वाले सड़क के पश्चिम तरफ अर्धनिर्मित बिल्डिंग के पीछे चोरी की मोटरसाइकिल छुपाकर रखे हैं और वाराणसी ले जाकर बेचने की फिराक में है। उक्त सूचना के आधार पर थानाध्यक्ष पढ़ी

द्वारा पुलिस बल के साथ मुखबिर के बतायें स्थान पर जा ही रहे थे कि मोहनपुर पहाड़ी तिराहे के पास एकसाथ मोटरसाइकिल सवार कुछ व्यक्ति आते दिखायी दिये, जिन्हें पुलिस टीम 7 अदद मोटरसाइकिल के साथ कुल 7 व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्तियों द्वारा जुर्म स्वीकार करते हुए बताया गया कि उनके द्वारा जनपद मीरजापुर, वाराणसी, कौशाम्बी, प्रयागराज आदि जनपदों से मोटरसाइकिले चुराकर, नम्बर बदलकर उचित दाम पर बेचने का काम किया जाता है। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर 6 अन्य चोरी की मोटरसाइकिलों को बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना पड़री पर मु0अ0सं0-65/2022 धारा 411,413,414,419,420, 467, 468,471 पंजीकृत किया गया है, नियमानुसार अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अतिक्रमणकारियों के खिलाफ चला अभियान

दोबारा अतिक्रमण होने पर दर्ज होगा मुकदमा : अंकित कुमार

प्रखर खेतासराय (संवाददाता- मोहम्मद अरशद)। शाहगंज के डिप्टी एसपी अंकित कुमार के निर्देशन में मंगलवार की शाम खेतासराय कस्बे में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया गया। नगर पंचायत कस्बे में नाली के ऊपर और नाली पर पक्का, कच्चा या अस्थाई तौर पर अतिक्रमण करके टीन सेट, दुकान छप्पर, ठेला, खोमचा व भट्ठी बनाकर अतिक्रमण करने वालों को चिन्हित करते हुए उन्हें मंगलवार को दूसरी बार कड़ी हिदायत दी गई। इसके पहले डिप्टी एसपी अंकित कुमार ने कस्बे के मुख्य चौराहे और बाजार में भ्रमण करते हुए सभी दुकानदारों को कड़ी हिदायत दिया कि नाली के ऊपर या नाली के बाहर जो भी अतिक्रमण किए हैं उसे तुरंत हटा ले। दो बार की हिदायत के बाद भी अतिक्रमण दिखता है तो संबंधित दुकान, फर्म संचालक के खिलाफ

कार्रवाई करते हुए मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा। इस टीम में खेतासराय थानाध्यक्ष श्री प्रकाश राय, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश मिश्रा, कांस्टेबल रंजन सिंह,महंगू राम यादव समेत भारी पुलिस फोर्स टीम के साथ कस्बा के डोभी मोड़, जोगियाना मोहल्ला, गोला बाजार मोड, गुलशन मार्केट, मुख्य चौराहा होते हुये कस्बे में सभी दुकानदारों को सख्त हिदायत दिया। पुलिस की इस सक्रियता के चलते दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। उधर पुलिस की आंख में धूल झोंक कर तमाम ठेला और खोमचा वाले कस्बे में आज भी हिदायत के बाद भी सड़क पर अतिक्रमण करके दुकानदारी करते देखें गये। जब पुलिस की टीम आती तो वह गली और कूचे में छिप जाते थे।

16 वर्षो से फरार चल रहा हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 50 हजार का इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को०शहर व स्वाट/एसओजी/ सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा करीब 16 वर्षो से हत्या के अभियोग में फरार चल रहा 50 हजार के ईनामिया अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2006 में थाना कोतवाली शहर पर मुकदमा संख्या 503/06 धारा 328/302 पंजीकृत किया था जिसमें 4 व्यक्तियों की जहर खिलाकर निर्मम हत्या करने वाला नामजद अभियुक्त पप्पू उर्फ ओमप्रकाश विश्वकर्मा पुत्र स्वर्गीय मंगरू विश्वकर्मा निवासी खजुरी थाना कोतवाली देहात जनपद मीरजापुर जो कि घटना के दिनांक 14 नवम्बर 2006 से फरार चल रहा था जिसके विरूद्ध धारा 82/83 सीआरपीसी कार्यवाही पश्चात मफरूरी में आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर द्वारा पूर्व में 5 हजार का पुरस्कार घोषित किया गया था, जिसे बढाकर 50 हजार कर दिया गया था। दिनांक 24 मई 2022 को थाना कोतवाली शहर व स्वाट/

एसओजी सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना कोतवाली शहर पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त पप्पू उर्फ ओमप्रकाश विश्वकर्मा पुत्र स्व) मंगरू विश्वकर्मा उपरोक्त को गिरफ्तार किया गया, अभियुक्त अपना नाम बदलकर राजू विश्वकर्मा पुत्र प्रभू विश्वकर्मा निवासी प्लाट नम्बर 10 गुलशन नगर भिन्डी बाजार सूरत गुजरात के पते पर वर्ष 2006 से ही गुजरात में रह रहा था।

संक्षिप्त खबरें

योग के लिये जागरूक किया गया बच्चों को और अन्य लोगों को

प्रखर कछवाँ रोड वाराणसी। सेवापुरी ब्लाक के ग्राम सभा छतेरी मानापुर में प्राथमिक विद्यालय में योग का शिविर लगाया कर सुबह 7:00 बजे से 8:00 बजे तक शिविर का कार्यक्रम चलाया गया जिसमें बच्चों को व ग्रामीणो को भी योग का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे और योग किये। वहीं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पार्वती जी कहना था कि हमारे विद्यालय के सभी अध्यापक और अध्यापिका व ग्राम सभा के सभी सदस्य व सम्मानित नागरिक जो सहयोग विद्यालय के लिए करते हैं वह अत्यंत सराहनीय है। वही अध्यापको में उपस्थित पर रहे रमेश चंद्र गुप्ता, ओम प्रकाश पटेल, सुरेश यादव, नीलम सिंह, आराधना सिंह, मीरा देवी,और कामना तिवारी मौजूद रही। वही ग्राम सभा के सम्मानित लोग भी उपस्थित रहे जिसमें श्री हृदय नारायण तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, जयप्रकाश तिवारी, जयशंकर तिवारी, अनिल कुमार भारती, छांगुर भारती आदि लोग उपस्थित रहे।

डुबकियां में डिवाइडर से टकराकर दो की दर्दनाक मौत

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। थाना क्षेत्र के डुबकियां बाजार से पेट्रोल भरा कर घर वापस आते समय डुबकियां बाजार में डिवाइडर के चपेट में आने से दो बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने 112 डायल को बुलाकर आनन फानन दोनों को चिरईगांव प्राथमिक उपचार केंद्र भेजा, जहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बुधवार सुबह 6:30 बजे अहरक निवासी श्यामजी (65) और उसके भाई के साले का भतीजा नरपतपुर निवासी 26 साल का विकास बाइक से पेट्रोल लेने गए थे। विकास की पत्नी पूनम का रो रो कर बुरा हाल है। विकास की शादी दो वर्ष पूर्व हुई थी।

गायक पवन चौबे दुर्गा का छोड़ा अहिरान बबुआन गाने को किया रिलीज

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर भदवा के रहने वाले गायक पवन चौबे दुर्गा व शिवानी सिंह ने यूपी और बिहार के दिल मे एक अलग ही पहचान बना लिया। अभी हाल में ही पवन चौबे ने अनेको गाने को रिलीज किया है। जो मिलियन में में चल रहा है उसी में एक गाना छोड़ा अहिरान बबुआन को रिलीज किया है। श्रोताओं लोगो ने प्यार व आशीर्वाद दिया है। इस गाने का इंस्टाग्राम व स्नैपचैट पर लोग रील बना रहे। इस गाने को बहुत प्यार मिल रहा है। इसको अपने आवाज से सजाया है। पवन चौबे दुर्गा व शिवानी सिंह ने गाया है जो बहुत प्यार मिल रहा है। इसका वीडियो भी आप के बीच मे जल्दी ही देखने को मिलेगा। गाने को लिखे है राजू विकाश, इस गाने को संगीत दिए है अभिराम पांडेय ने और मैनेजर आकाश सेठ है।,आशीवार्द माता पिता व देशी स्टार समर सिंह जी का है। इस गाने में अनेकों ने सहयोग किया किया है। और यह गाना पवन चौबे ऑफिसियल प्रेसेंट्स से रिलीज हुआ है।

पालिका प्रशासन पथ विक्रेता एसोसिएशन के साथ हुई बैठक

प्रखर मिजार्पुर। लालडिग्गी स्थित नगर पालिका मिजार्पुर सभागार में वेंडिंग कमेटी के सदस्य व नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी मध्य बैठक हुआ। बैठक में यह निर्णय लिया गया की वेंडिंग जोन बनाकर पथ विक्रेताओं को स्थापन्न किया जाए तथा जब तक वेंडिंग जोन नही बन जाता तब तक पथ विक्रेताओं का उत्पीड़न बन्द किया जाय। इस दौरान नेचुरल मार्केट तथा फ्लोटिंग मार्केट बनाने का सुझाव भी दिया गया। जहा एक ही छत के नीचे पानी व शौचालय की

व्यवस्था हो। जहां पथ विक्रेता व्यापार कर अपने परिवार का जीवकोपार्जन कर सके। इस अवसर पर नेशनल हॉकर फैडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी, राष्ट्रीय सचिव मनीष सिंह, राष्ट्रीय महिला सचिव स्मृति गुप्ता, विंध्य हॉकर यूनियन के अध्यक्ष धीरज पांडेय, महासचिव शशांक शेखर मिश्र, फरख, कृष्ण कुमार, गुड्डु, रणवीर सिंह, फरजाना बानो के साथ आदि ने अपने विचार व्यक्त किया। इस दौरान धीरज पांडेय ने बताया कि हमारी संस्था द्वारा आगामी 26 मई को अंतरराष्ट्रीय हॉकर दिवस मनाया जायेगा।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरुण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001
से छपवाकर कचेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779, +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं